हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 293, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 17 अप्रैल, 2023 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

अतीक-अशरफ की हत्या करने वाले लवलेश, अरुण और सनी बोले- हम फेमस होना चाहते थे, इसलिए मारा

हमलावरों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि हम अतीक-अशरफ गिरोह का पूरी तरह से सफाया करना चाहते थे

प्रयागराज। प्रयागराज में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या करने के बाद गिरफ्तार किए गए तीन हमलावरों से पुलिस के साथ एसटीएफ की टीम भी पूछताछ कर रही है। तीनों ने अपना अपराध कबूल करते हुए कहा कि उन्हें फेमस होना था। इसलिए अतीक और अशरफ की हत्या कर दी। बता दें कि यूपी के झांसी में एक मुठभेड़ में अतीक अहमद के बेटे असद और उसके शूटर साथी गुलाम के मारे जाने के दो दिनों बाद ही शनिवार को प्रयागराज में मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाते समय गिरोह के सरगना अतीक अहमद और भाई अशरफ अहमद की ताबड़तोड़ गोलियों की बौछार कर हत्या कर दी गई। गिरफ्तार हमलावरों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि हम अतीक-अशरफ गिरोह का पूरी तरह से सफाया करने और अपना नाम बनाने के उद्देश्य से अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को मारना चाहते थे। अतीक और

अशरफ की हत्या के मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। पूछताछ के दौरान तीनों ने पुलिस को बताया कि जैसे ही हमें अतीक और अशरफ को पुलिस हिरासत में लिए जाने की खबर मिली, हमने स्थानीय पत्रकार बनकर और भीड़ में शामिल होकर उन्हें मारने की योजना बनाई। बता दें कि तीनों हमलावरों को घटनास्थल पर ही पकड़ लिया गया था।वर्तमान में पुलिस हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस घटना के मद्देनजर पूरे राज्य में धारा 144 लागू कर दी है। प्रमुख सार्वजनिक प्रतिष्ठानों और संवेदनशील माने जाने वाले क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अतीक अहमद 2005 में बसपा विधायक राजू पाल की हत्या और इस साल फरवरी में बसपा नेता की हत्या के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या का मुख्य आरोपी था।

अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद अलर्ट हुआ गृह मंत्रालय, पत्रकारों के लिए तैयार की जाएगी एसओपी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एसओपी तैयार करेगा, क्योंकि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में फर्जी पत्रकार बने तीन लोगों ने माफिया से राजनेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी। उमेश पाल हत्याकांड में पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिए गए अतीक अहमद और अशरफ अहमद की शनिवार देर रात काल्विन अस्पताल के पास हत्या कर दी गई। दोनों को मेडिकल टेस्ट के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था। अज्ञात वाहनों से आए हमलावरों ने वारदात को अंजाम देने के बाद आत्मसमर्पण कर दिया। प्रयागराज जिले की सीमा को सील कर दिया गया है। वहीं मौके पर पुलिस के साथ आरएएफ को भी बुला लिया गया है। इस घटना के कुछ देर पहले ही उमेश पाल हत्याकांड के विवेचक और प्रभारी निरीक्षक धूमनगंज राजेश कुमार मौर्या अतीक और उसके भाई अशरफ को कसारी मसारी मुहल्ले मे ले गए थे, जहां अतीक ने नाटे तिराहे के पास झाड़ियों के बीच बने खंडहरनुमा मकान में छिपाकर रखे गए असलहा और कारतूस बरामद कराया। बरामद कारतूसों

में से पांच कारतूस पर पाकिस्तान आर्डिनेंस फैक्ट्री (पीओएफ) लिखा हुआ था। अतीक ने यह भी बताया था कि उसके कहने पर ही गुर्गों ने असलहा और कारतूस को छिपाया था। उसने करीब 10 लाख रुपये में कोल्ड पिस्टल खरीदी थी। पुलिस ने घटना स्थल से कोल्ड पिस्टल का खोखा भी बरामद किया है। अब इस खोखे का बरामद पिस्टल से मिलान करवाया जाएगा। यहां से रात साढ़े 10 बजे अतीक और अशरफ को मेडिकल टेस्ट के लिए काल्विन अस्पताल ले जाया जा रहा था, उसी दौरान तीन युवकों ने अतीक की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। अशरफ पर भी कई राउंड फायरिंग की गई। पुलिस ने तीनों हमलावरों को पकड़ लिया है। करीब 10 राउंड हुई फायरिंग में एक सिपाही भी घायल हो गया है। शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। इससे पहले दिन में अतीक अहमद का पाकिस्तान और आतंकी संगठन से कनेक्शन सामने आने पर एटीएस के बाद एनआइए की टीम ने उससे लंबी पूछताछ की थी। धूमनगंज थाने में आतंकी संगठन और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से जुड़े सवाल उससे किए गए। उसने एनआइए को कुछ जानकारी दी थी। हालांकि, अतीक ने जांच एजेंसी को क्या बताया है, यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

'अब मिला इंसाफ, कलेजे को पहुंची ठंडक': अतीक-अशरफ की हत्या के बाद सामने आए सिपाही संदीप के परिजन

आजमगढ़। माफिया अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की प्रयागराज में हत्या की खबर सुनते ही उमेश पाल हत्याकांड में शहीद हुए सिपाही संदीप के परिजन काफी खुश है। उनका कहना है कि अब इंसाफ मिला है और कलेजे को ठंडक पहुंची है। इसके साथ ही परिजनों ने यह भी कहा कि अभी जो बचे है उनका भी खात्मा होना चाहिए। अब तक की पुलिसिया कार्रवाई व अन्य कवायद पर शहीद सिपाही के परिजनों ने संतुष्टि जाहिर किया है। बीते 24 फरवरी को प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की गोलियों से छलनी कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में उमेश पाल के सुरक्षा में तैनात रहे जिले के अहरौला थाना अंतर्गत विसईपुर गांव निवासी सिपाही संदीप निषाद की भी मौत हो गई थी। संदीप की मौत के बाद से ही उनका पूरा परिवार माफिया अतीक व उसके गुर्गो के साथ ही परिवार के खात्मे

की मांग शासन-प्रशासन ने कर रहा था। दो दिनों पूर्व झांसी में अतीक के पुत्र असद व एक शूटर की मुठभेड़ में मारे जाने की सूचना मिलने पर शहीद सिपाही के परिजनों ने खुशी जतायी थी और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया था। वहीं शनिवार की रात माफिया अतीक व उसके भाई अशरफ की तीन युवकों ने उस समय ताबड़तोड़ गोली मर कर हत्या कर दी जब दोनों को पुलिस मेडिकल के लिए लेकर अस्पताल पर पहुंची थी। असद के बाद अतीक व अशरफ के भी मारे जाने की सूचना पर मिलते ही शहीद सिपाही संदीप के परिजन खुशी से झूम उठे। शहीद सिपाही की मां समुद्रा देवी ने कहा कि अब कलेजे को ठंडक पहुंची है। आतंक का पर्याय बने अतीक व उसके भाई अशरफ भी मिट्टी में किल गए। संदीप के पिता संतराम निषाद ने कहा कि अब जा कर इंसाफ मिला है। बेटे की आत्मा को अब शांति मिल गई होगी। भाई प्रदीप का कहना था कि अभी जो भी बचे है उनका भी जल्द से जल्द खात्मा होना चाहिए। परिवार के साथ ही गांव के लोगों ने भी माफिया अतीक के अंत पर संतुष्टि जताया।

सुनियोजित तरीके से की गई है अतीक व अशरफ की हत्या : रामगोपाल यादव

इटावा। सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की हत्या पर सरकार पर हमला करते हुए कहा कि उनकी सुनियोजित तरीके से हत्या की गई है। वे सैफई में रविवार को पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में अगर जांच एजेंसी सही होगी, तो बड़े-बड़े लोग इसमें फंसेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि उमेश पाल के हत्यारों को मिट्टी में मिला देंगे। ऐसा ही हुआ। रामगोपाल यादव ने कहा कि उन्होंने पहले भी कहा था कि अतीक के लड़के की हत्या हो सकती है। यह बात सच निकली। उसका फर्जी एनकाउंटर कर दिया गया। अतीक ने सुप्रीम कोर्ट में स्वयं रिट की थी कि मुझे सुरक्षा दी जाए। लोकतंत्र के इतिहास में किसी भी देश में पुलिस अभिरक्षा में इस तरह हत्या नहीं की गई है। यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि सत्ता में पहुंचने के लिए किसी एक धर्म के लोगों को चुन-चुनकर मारना अच्छी बात नहीं है। और फिर रात में 10 बजे कौन सा मेडिकल होता है। यह सब प्लानिंग पहले से थी। अपराधियों ने अतीक पर गोली चलाई लेकिन पुलिस ने उन अपराधियों पर एक भी गोली नहीं चलाई।

सुनौरा गांव में एक साथ उठीं 13 अर्थियां, बच्चों के शव दफनाते कांपे हाथ, बिलख पड़े लोग

शाहजहाँपुर। शाहजहांपुर में तिलहर निगोही मार्ग पर बिरसिंगपुर गांव के पास शनिवार को ओवरटेक करने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे जा गिरी थी। इसके नीचे दबकर सुनौरा अजमतपुर गांव के 13 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 28 लोग घायल हुए। पोस्टमार्टम के बाद रविवार की सुबह जब 13 शवों को गांव लाया गया तो चीत्कार मच गई। अपनों के शवों को देख महिलाएं रो-रोकर बेसुध हो गईं। हादसे में जिन लोगों की मौत हुई है, उनके घर आसपास करीब सौ मीटर के दायरे में ही हैं। रविवार की सुबह एक साथ 13 अर्थियों उठीं तो गांव में आंसुओं का सैलाब आ गया। करुण क्रंदन देख हर आंख नम हो गईं। श्मशान स्थल पर बच्चों के शव दफनाए गए। बड़ों की चिता को मुखाग्नि दी गई। बच्चों के शव दफनाते लोगों के हाथ कांप गए। अंतिम संस्कार में शहर विधायक एवं कैबिनेट मंत्री

सुरेश कुमार खन्ना भी पहुंचे। सुनौरा में हर साल भागवत कथा का आयोजन ग्रामीणों के सहयोग से कराया जाता था। धार्मिक आयोजन में पूरा गांव बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता था। नदी से कलश में जल भरने के लिए गांव के लगभग हर परिवार से लोग जाते थे। शनिवार सुबह से ग्रामीण कथा की तैयारियों में लगे हुए थे। लोग देवी गीतों पर नाच रहे थे। बच्चों में उत्साह था। गांव का माहौल भक्तिमय था, लेकिन हादसे ने पूरे गांव की खुशियां छीन लीं। महिलाओं-बच्चों के साथ पुरुष ट्रैक्टर ट्रॉली में लदकर निकले थे। बताते हैं कि कुछ बुजुर्गों ने उन लोगों को टोका भी था। वे कह रहे थे कि ट्रॉली में इस तरह से लटककर मत जाओ। चालक ने तेज रफ्तार से ट्रैक्टर दौड़ाया, तब भी टोका, लेकिन वह नहीं माना। बिरसिंगपुर गांव के पास गर्रा नदी के पुल पर आखिरकार ट्रैक्टर-ट्रॉली नीचे जा सकी। ट्रॉली के नीचे महिलाएं और बच्चे दब गए थे।

सूडान के खार्तूम में सेना-अर्धसैनिक बलों के बीच जंग जारी, हिंसा के बीच एक भारतीय की मौत

खार्तूम। सूडान की राजधानी खार्तूम में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच शनिवार को शुरू हुई जंग अब भी जारी है। इसमें अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, कई घायल हैं। इस बीच खबर है कि इस हिंसा की चपेट में आकर एक भारतीय नागरिक की मौत हो चुकी है। खार्तूम में स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि एल्बर्ट ऑगेस्टीन नाम का व्यक्ति जो सूडान में डल ग्रुप के साथ काम कर रहा था, उसकी गोली लगने से मौत हो गई। इस घटना पर विदेश मंत्री एस जयशंकर का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि खार्तूम में मौजूदा स्थिति काफी चिंताजनक है और भारत इस पर निगरानी रख रहा है। एक भारतीय की मौत पर जयशंकर ने कहा कि वे इसे लेकर काफी दुखी हैं और दूतावास परिवार को सारी मदद मुहैया कराने की कोशिश में है। वहीं, भारतीय दूतावास ने कहा है कि सूडान में डल ग्रुप कंपनी में काम कर रहे एल्बर्ट ऑगेस्टीन को गोली लग गई थी और इससे उनकी मौत हो गई। दूतावास आगे के इंतजाम के लिए उनके परिवार और चिकित्सा अधिकारियों के साथ संपर्क में है। इससे पहले सूडान स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को ही भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने और घरों में रहने की सलाह दी। दूतावास ने ट्वीट कर भारतीयों से शांत रहने और अद्यतन जानकारी का इंतजार करने का भी आग्रह किया था। सेना और अर्धसैनिक बलों में तनाव के बीच शनिवार सुबह सूडान की राजधानी खार्तूम में लगातार गोलीबारी होने की आवाज सुनी गई। गोलीबारी की आवाज राजधानी के मध्य क्षेत्रों के अलावा पड़ोसी शहर बहरी में भी सुनाई दीं। रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के रूप में पहचाने जाने वाले अर्धसैनिक बल और सेना के बीच तनाव हाल के महीनों में बढ़ गया है, जिसके चलते देश में लोकतंत्र बहाल करने के लिए राजनीतिक दलों के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित समझौते पर हस्ताक्षर करने में देरी हो रही है।

मानहानि मामले में केजरीवाल-संजय सिंह को समन, गुजरात यूनिवर्सिटी ने की शिकायत

अहमदाबाद। अहमदाबाद की एक अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आप पार्टी के नेता संजय सिंह को समन जारी किया है। यह समन मानहानि मामले में जारी किया गया है। दरअसल गुजरात यूनिवर्सिटी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि केजरीवाल और संजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री के मुद्दे पर यूनिवर्सिटी के खिलाफ अपमानजनक बयान दिया।

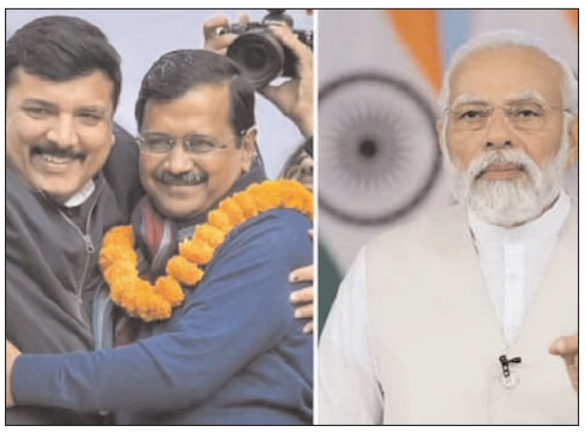

गुजरात यूनिवर्सिटी ने दर्ज कराई शिकायत- गुजरात यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल की शिकायत पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 500 के तहत मामला दर्ज किया था। शिकायत में कहा गया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस और ट्विटर हैंडल पर अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह ने यूनिवर्सिटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। इससे प्रतिष्ठित संस्थान की छवि को नुकसान हुआ है। जिस पर अहमदाबाद कोर्ट के एडिश्नल चीफ मेट्रोपोलिटिन मजिस्ट्रेट जयेशभाई चोवाटिया ने शनिवार को केजरीवाल और संजय सिंह को समन जारी कर 23 मई को पेश होने को कहा है।

केजरीवाल ने कही थी ये बातें- शिकायतकर्ता के वकील ने कहा कि 'गुजरात यूनिवर्सिटी की स्थापना 70 साल पहले की गई थी और लोगों के बीच इसकी प्रतिष्ठा है। आरोपों से लोगों के बीच यूनिवर्सिटी की विश्वसनीयता को नुकसान हुआ है।' बता दें कि केजरीवाल ने कहा था कि 'अगर डिग्री है और यह सही है तो यह क्यों नहीं दी जा सकती?' केजरीवाल ने आरोप लगाया कि 'वह डिग्री इसलिए नहीं दे रहे हैं क्योंकि हो सकता है वो फर्जी हो! अगर प्रधानमंत्री ने दिल्ली यूनिवर्सिटी और गुजरात यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की है तो गुजरात यूनिवर्सिटी को इस बात की खुशी मनानी चाहिए कि हमारा छात्र देश का प्रधानमंत्री बन गया।' वहीं संजय सिंह ने कहा कि 'वह कोशिश कर रहे हैं कि पीएम की फर्जी डिग्री को असली बनाया जाए।' कोर्ट की जांच के दौरान चार गवाहों को भी पेश किया गया। गुजरात यूनिवर्सिटी के वकील ने कहा कि इन बयानों से ऐसा संदेश गया है कि यूनिवर्सिटी फर्जी डिग्री जारी करती है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने अमेरिकी समकक्ष को किया फोन, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा कि उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों में लगातार प्रगति देखी है। उन्होंने ट्वीट किया, "हमेशा की तरह आज सुबह अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। वर्तमान क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की और हमारे द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति का उल्लेख किया।" इससे पहले, मार्च में एस जयशंकर ने एंटनी ब्लिंकन के साथ बैठक की थी। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध के वैश्विक प्रभावों को कम करने के उपायों पर चर्चा की। ब्लिंकन और जयशंकर ने नई दिल्ली में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान बातचीत की। बैठक के दौरान ब्लिंकन ने वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने पर अपने विचार साझा किए। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक बयान में कहा कि ब्लिंकन ने जयशंकर से मुलाकात कर चर्चा की कि कैसे भारत और अमेरिका प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग का विस्तार कर सकते हैं और खाद्य ऊर्जा, और स्वास्थ्य सुरक्षा बढ़ा सकते हैं। नेड प्राइस ने

यह भी बताया कि ब्लिंकन और जयशंकर ने सामरिक प्रौद्योगिकी और रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने और विस्तार करने और खाद्य, ऊर्जा और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों के बारे में बात की। दोनों नेताओं ने मादक पदार्थों के खिलाफ सहयोग और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए भी विचार-विमर्श किया।

संपादकीय

असंभव काम को संभव करना सफलता का मूलमंत्र

भारत के सबसे बुजुर्ग उद्योगपति महिंद्रा एंड महिंद्रा के पूर्व चेयरमैन तथा यूनियन कार्बाइड के पूर्व गैर कार्यकारी अध्यक्ष केशव महिंद्रा का 12 अप्रैल 2023 को मुंबई में निधन हो गया। 2023 में अरबपतियों की जो लिस्ट जारी हुई थी, उसमें केशव महिंद्रा को 9840 करोड़ रुपए की संपत्ति का सबसे बुजुर्ग भारतीय उद्योगपति बताया गया था। उनके बारे में संपादकीय लिखने का मन इसलिए हुआ की वर्तमान उद्योगपतियों की तुलना में पहले के उद्योगपति किस तरह अपना उद्योग और व्यापार करते थे। उपभोक्ताओं का हित, व्यापार की ईमानदारी, राष्ट्रीयता, संवेदनशीलता के साथ वह व्यापार करते थे। समाज में ऐसे उद्योगपति परिवारों की प्रतिष्ठा होती थी। वह अपने धन का उपयोग अपने अलावा सामान्य लोगों के लिए भी करना जानते थे। 2019 में पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के व्हार्टन स्कूल, जहां से उन्होंने अपना ग्रेजुएशन किया था। वहां एक साक्षात्कार दिया था। उनका यह साक्षात्कार वर्तमान पीढ़ी के लिए मार्गदर्शी हो सकता है। केशव महिंद्रा ने अपने साक्षात्कार में प्रेरणा स्त्रोत के रूप में जेआरडी टाटा और नानाजी देशमुख को बताया था। उन्होंने नानाजी देशमुख को अपना मेंटर बताते हुए कहा था केवल भारतीय जनता पार्टी के एक दिग्गज नेता थे। लेकिन उन्होंने राजनीति छोड़कर समाज सेवा के लिए एक चैरिटेबल ट्रस्ट बनाया। उन्होंने हमेशा जन सामान्य के लिए काम करने में अपना पूरा जीवन लगाया। इसी तरह उन्होंने उद्योगपति जेआरडी टाटा से व्यापार किस मानक से किया जाना चाहिए। इसकी कार्य प्रणाली, धन का उपयोग, उद्योग एवं समाज से जुड़े हुए सभी वर्गों के लिए किस बेहतर तरीके से हो, इसके लिए जेआरडी टाटा उनके प्रेरणास्त्रोत रहे। उन्होंने कहा कि 15 16 साल की उम्र में हम जो सोचते हैं, वह कभी सही नहीं होता है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा उनके पिता ने घर के सभी बच्चों से पन्ने पर लिखवाकर यह पूछा था कि वह बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने 2 पसंद लिखी थी। पहली पसंद किसान बनना और दूसरी पसंद सैनिक बनने की थी। लेकिन यह दोनों इच्छा पूरी नहीं हुई। मैं उद्योगपति बना, जो मेरी पसंद में नहीं था। उन्होंने कहा मेने अपने बच्चों को हमेशा दो बातें समझाई हैं, पहली असंभव काम को संभव करने की सोचें। दूसरी दयालु बने, दूसरों के बारे में सोचें। उनका कहना था कि पैसा ही सब कुछ नहीं है। दूसरों की खुशी में अपनी खुशी ढूंढगे तो सफल होंगे। अपने कॉलेज के साथियों से उन्होंने कहा था कि जीवन भर याद रखें, बेहतर तकनीकी तो सीख और सिखा सकते हैं। लेकिन व्यवहार कैसे अच्छा किया जाए, यह तकनीकी के जरिए सिखाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा था कि व्यवहार में सभी के लिए समानता का व्यवहार ही सबसे बेहतर व्यवहार है। उनका मानना था कि इंसान की क्षमताएं असीम है। हर व्यक्ति को अपनी क्षमताओं के अनुसार सोचने और करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। केशव महिंद्रा लगभग 10000 करोड रूपए की संपत्ति के मालिक होते हुए भी हमेशा सादा एवं पारंपरिक जीवन जीने में विश्वास करते रहे। उन्होंने 1986 में अपनी बेटी लीना की शादी संजय लबरु से की। उन्होंने अपने घर से ही शादी के सभी समारोह किए। सब कुछ बेहद सामान्य था। उस समय वह चाहते तो पांच सितारा होटलों से शादी का आयोजन कर सकते थे। उन्होंने बड़ी सादगी के साथ अपनी लड़की की शादी में केवल उन्हीं लोगों को बुलाया, जो उनके परिवार से जुड़े हुए थे। ऐसी सादगी एक बड़े बिजनेसमैन परिवार में बहुत कम देखने को मिलती है। केशव महिंद्रा का हमेशा से सिद्धांत रहा है कि वह कितनी मदद कर सकते हैं। उनका यह मानना था कि यदि उन्हें राजनीति में अवसर मिलता तो कुछ और बेहतर कर पाते। लेकिन एक उद्योगपति के रूप में उन्होंने जो किया, उससे वह हमेशा संतुष्ट रहे। वह अपने बच्चों को हमेशा एक सीख देते थे, जो भी काम कर रहे हैं, उसमें सबसे पहले खुश रहना सीखें। दूसरों की नकल मत कीजिए। हां दूसरों से कुछ सीख सकते हैं, तो सीखना जरूर चाहिए। उनके जीवन में सबसे ज्यादा दुखी करने वाली घटना यूनियन कार्बाइड की थी। भोपाल में गैस रिसने के कारण सैकड़ों लोगों की मौत और हजारों लोग गैस से प्रभावित हुए थे।

गजब था ये खेल!

पलट गई कहानी ।
गजब था ये खेल ।।
आगे पर अपराध पर ।
कसेगी नकेल ?
नित नया विवाद ।
चचाओं का दौर ।।
क्या कुछ घटित होगा ।
करना इस पर गौर ।।
रच रहे इतिहास ।
खबर भी बनानी ।।
लोकतंत्र में भी तो ।
चल जाती मनमानी ।।
हो रहा अचानक सब कुछ ।
लेकिन है रणनीति ।
आ रहा निकल कर ।
किससे किसकी प्रीति ।।

–कृष्णेन्द्र राय

अतीक ने माफियागिरी करके 44 साल में जो कमाया उसे योगी सरकार ने 48 दिन में मिट्टी में मिला दिया

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से राज्य के कई शहरों में जिस आतंक और दहशत को कायम करने में माफिया अतीक अहमद ने 44 साल लगाए उसे यूपी की योगी आदित्यनाथ की सरकार ने महज 48 दिनों में खत्म कर दिया। अतीक और उसके करीबियों के काले कारोबार के साम्राज्य को ध्वस्त करने में अब योगी सरकार को प्रवर्तन निदेशालय का भी साथ मिल रहा है।

हम आपको बता दें कि अतीक अहमद पर पहला आपराधिक मामला 1979 में प्रयागराज के खुल्दाबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था। तब से 44 साल के उसके आपराधिक सफर में उस पर 102 केस दर्ज हुए लेकिन किसी भी मामले में कोई सरकार उसे सजा नहीं दिलवा पाई। योगी राज में पहली बार यह संभव हुआ जब पूर्व बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह अधिवक्ता उमेश पाल के अपहरण के मामले में एमपी-एमएलए की कोर्ट ने अतीक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इधर 24 फरवरी 2023 को उमेश पाल की हत्या से कानून व्यवस्था को नाकाम चुनौती देने के अतीक और उसके गुर्गों के दुस्साहस के बाद यूपी के सीएम योगी के माफिया को मिट्टी में मिलाने के संकल्प ने अतीक के जुर्म और जरायम के साम्राज्य तहस नहस कर दिया गया। अतीक के बेटे असद सहित उसके 4 गुर्गों को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। अपराध से अर्जित की गई उसकी और उसके गुर्गों की 1400 करोड़ की सम्पत्ति जब्त की जा चुकी। इसे अतीक के आतंक के

अंत माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि एक तरफ माफिया को मिट्टी में मिलाने का सिलसिला जारी है तो दूसरी तरफ आर्थिक अपराध से जुड़ी जांच एजेंसियां भी अतीक के आर्थिक साम्राज्य को चोट पहुँचाने में लग गई हैं। अतीक अहमद पर दर्ज मनी लांड्रिंग केस की जांच में जुटी प्रवर्तन निदेशालय की 15 टीमों ने प्रयागराज में अतीक के करीबियों के कई ठिकानों पर जमकर छापेमारी की है। इसमें अतीक अहमद के वकील खान शौलत हनीफ, अतीक के अकाउंटेंट सीताराम शुक्ला, रियल एस्टेट कारोबारी खालिद जफर, बसपा के पूर्व विधायक आसिफ जाफरी, बिल्डर संजीव अग्रवाल, कार शोरूम मालिक दीपक भार्गव के नाम शामिल हैं। इस कार्यवाही में 100 करोड़ से अधिक की बेनामी संपत्तियों का भी खुलासा हुआ है। वैसे अतीक पर दो साल पहले 2021 में प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था और इस मामले में उसकी 8 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई थी। हम आपको यह भी बता दें कि प्रयागराज शहर में अतीक अहमद के करीबियों के ठिकानों पर की गई कार्रवाई में प्रवर्तन निदेशालय को मनी लांड्रिंग केस में बेहद अहम सबूत मिले हैं जिससे उसके काले कारोबार के नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है। ईडी की छापे की कार्रवाई के दौरान बरामद दस्तावेजों से 50 से अधिक ऐसी शैल कंपनियों का भी पता चला है जो डमी कंपनियां हैं जिनका मालिक दस्तावेजों में तो कोई और है, लेकिन इनमें रकम अतीक ने निवेश की थी। इनके जरिये अतीक अपनी ब्लैक मनी को व्हाइट में तब्दील करता था। इन कम्पनियों में एमजे इन्फ्रा ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स जाफरी स्टेट लिमिटेड, फना एसोसिएटेड प्राइवेट लिमिटेड, एमजे इन्फ्रा हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड, एफ एंड ए एसोसिएट प्राइवेट लिमिटेड, असाद सिटी, एमजे इन्फ्रा स्टेट प्राइवेट लिमिटेड और एमजे इन्फ्रा लैंड, एलएलपी जैसी कम्पनियां शामिल हैं। इनमें से अधिकतर वह कंपनियां हैं, जिनके बारे में जिला पुलिस ने पहले ही शासन को पत्र भेजकर इनकी जांच प्रवर्तन निदेशालय से कराने का अनुरोध किया था। दूसरी ओर, गैंगस्टर से नेता बना अतीक अहमद अपने बेटे असद अहमद का शव भी नहीं देख पाया। शनिवार सुबह कसारी मसारी कब्रिस्तान में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दफनाया गया। कब्रिस्तान में अतीक अहमद के रिश्तेदारों और परिचितों को ही दाखिल होने दिया गया और मीडियाकर्मियों को भीतर जाने की अनुमति नहीं दी गई। असद का शव लेकर एंबुलेंस भारी सुरक्षा के बीच सुबह करीब नौ बजे कब्रिस्तान पहुंची। एंबुलेंस में शव के साथ असद का फूफा उस्मान था। कसारी मसारी कब्रिस्तान में शव को दफनाने की प्रक्रिया करीब एक घंटे चली। इस दौरान अतीक अहमद और उसके परिवार का कोई करीबी सदस्य नजर नहीं आया।

बाल चित्रण

सपना क बबुआ रुद्रांश,अपने मन क राजा ह। दिन भर घुनघुना चम्मच छननी, जइसे ओकर बाजा ह।अबहीन खूब बकइयां खींचत, टाल मटोल सामान करेला।डांट डपट दिहला पर आपन, मोहिनी हंसी खिस दे हंसि देला।। एकदम जइसे नकलची बंदर, शान मटक्की खूब करेला। एक सांस में चाचा बाबा कभी कभी पापा भी कहेला।।हंसला पर मुंह में क दंतुली , जब चमचमात दिखला जाले। बदरी के झुरमुट से बिजली देखि के खुदे लजा जाले।। अपने घरवालन के खूब चिन्हेला,चोना खूब दिखावेला।दूसरे के कोरा ना जाला, केतनों केहू बोलावेला।। दूसरा के कोरां गइला से पहिले, सोचेला आऊर बिचारेला। कोरां लेवे वाला क हरदम मुंह निहारेला।। गाड़ी पर चढला के खातिर,उछल कूद दिखलावेला।जब मन वाली ना होले त, बड़ा उत्पात मचावेला।। दूध से भरल नेपुल बाटल, धीरे से सरका देला ,खींच बकइयां आगे बढिके बहुत सामान टरका देला।। संकेतिक भाषा क पंडित, सबकर जी ललचावेला। तनिको भूख सहाले नाहीं, शांति में खलल मचावेला।।दिन में सूतत रात मे जागत,सबके खूब जगावेला। आजा चंदा मामा आजा, कउच कउच गोहरावेला।

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

चुनावी चंदे पर नियंत्रण जरुरी, इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की दरकार

भारत के 2009 के आम चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा दो अरब डॉलर खर्च किए गए। यह आंकड़ा 2014 में पांच अरब और 2019 तक 8.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत का पिछला आम चुनाव दुनिया का सबसे महंगा चुनाव था। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अनुसार, भारत में इस खर्च का 10-12 फीसद मतदाताओं को सीधे नकद भुगतान के रूप में है। हमारे यहां चुनाव खर्च को लेकर राज्य वित्त पोषण का मामला पहले से विचारणीय रहा है। इस मुद्दे पर अब नए सिरे से ध्यान देने की जरूरत है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार, 2021-22 में देश में राष्ट्रीय दलों की आय का 60 फीसद अज्ञात स्रोतों से आया और यह राशि 2,172 करोड़ रुपये से अधिक है। वित्तीय वर्ष 2004-05 और 2021- 122 के बीच राजनीतिक दलों द्वारा 17,249 करोड़ रुपये अज्ञात स्रोतों से जुटाए गए। इसमें कहीं दो राय नहीं कि चुनिंदा सुधारों के बावजूद दशकों से देश में चुनावी खर्च में पारदर्शिता की कमी रही है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (1951), धारा 29 (सी) के मुताबिक, राजनीतिक दलों के कोषाध्यक्षों को 20 हजार रुपये से अधिक के किसी भी योगदान के दस्तावेज चुनाव आयोग से साझा करना होता है। 1968 में इंदिरा गांधी की पहल पर राजनीतिक दलों को कॉरपोरेट चंदे पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अलबत्ता 1985 में इसे फिर से वैध ठहरा दिया गया। 1979 तक राजनीतिक दलों को आय और संपत्ति करों से भी छूट हासिल थी। हालांकि वे वार्षिक रिटर्न दाखिल करते थे और दस हजार रुपये से अधिक के दान और उसके दाताओं की पहचान का खुलासा करते थे। कहना नहीं होगा कि इस मामले में बाद में संशोधनों ने निगमों और राजनीतिक दलों की गोपनीयता को सामान्य नागरिकों के सूचना के अधिकार पर प्राथमिकता दी है। जाहिरा तौर पर इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष 0चुनाव कराने की हमारी क्षमता प्रभावित हुई है। राजनीतिक दलों को अब आयकर विभाग और चुनाव आयोग को वार्षिक आय-व्यय ब्योरा देना तो जरूरी है, लेकिन वे अपने धन के स्रोतों का विस्तृत विवरण देने के लिए बाध्य नहीं हैं।

साफ है कि हमारे पास चुनावी खर्च और इसमें योगदान के खुलासे सीमित हैं। अमेरिका में चुनाव अभियान के खर्च के लिए दलों और उम्मीदवारों को वित्तीय मदद की परिभाषित सीमाएं हैं, जबकि चुनाव अभियान का खर्च ऐसी किसी सीमा से मुक्त है। साथ ही निगमों और श्रमिक संघों को उम्मीदवारों को सीधे वित्तीय मदद देने से मनाही है। इटली में राजनीतिक दलों को कॉरपोरेट योगदान के लिए वार्षिक रिपोर्ट में इसके खुलासे के साथ बोर्ड की मंजूरी लेनी होती है। नीदरलैंड में लोगों और कंपनियों को सीमित दान और पार्टी सदस्यता राशि चुकाने में कर कटौती का प्रोत्साहनकारी प्रावधान है। हमें चुनाव के दौरान उम्मीदवारों और दलों के लिए खर्च की स्पष्ट सीमा तय करने की जरूरत है। चुनाव अभियानों के संचालन की जटिलता का ध्यान रखते हुए इन सीमाओं को यथार्थवादी और प्रासंगिक होना चाहिए। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों की रिपोर्ट के लिए जोर दे रहा है ! डिजिटल लेन-देन की अनिवार्यता के साथ 2,000 रुपये से ऊपर के सभी दान का स्वागत किया जाना चाहिए। इस तरह के प्रावधानों के साथ छोटे दलों के लिए खेल का मैदान न्यायपूर्ण हो जाएगा और निर्दलीय उम्मीदवारों के पास सफलता का अधिक उचित अवसर होगा।

इस मामले में चुनावी बॉन्ड रामबाण साबित नहीं हुआ है। 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना को वित्त अधिनियम (2017) के जरिये पेश किया गया था और इसके जरिये लोगों, संस्थाओं या कंपनियों द्वारा ब्याज मुक्त चुनावी बॉन्ड की खरीद का रास्ता खोला गया था। इसमें न तो क्रेता और न ही राजनीतिक दल को ही यह बताने की जरूरत है कि दान किसे दिया गया है। इस बीच, भारत में चुनावों की विदेशी फंडिंग भी जारी है। यह विडंबना ही है कि एनजीओ चलाने वाले भारतीयों को विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए कई चक्कर लगाने पड़ते हैं, जबकि हमारे राजनीतिक दलों को कानूनन विदेशी चंदा प्राप्त करने की इजाजत है। आखिर में हम कह सकते हैं कि चुनाव के लिए सरकारी फंडिंग एक ऐसा विचार है, जिस पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है। यह पश्चिम में पहले से व्यापक रूप से प्रचलित है।

समाजवादी पार्टी से चेयरमैन प्रत्याशी श्रीमती रचना सिंह ने दाखिल किया नामांकन पत्र

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। कई दिनों से प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशियों को लेकर जो उहापोह की स्थिति बनी हुई थी रविवार को लगभग सब स्पष्ट हो गयी। और इसी के साथ आगाज करते हुए समाजवादी पार्टी की अध्यक्ष पद की प्रत्याशी श्रीमती रचना सिंह पत्नी वीरेंद्र सिंह बंटी ने नामांकन पत्र दाखिल कर राजनैतिक सरगर्मियां बढ़ा दी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सपा प्रत्याशी जुलूस की शक्ल में नामांकन करने वाले थे मगर सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने इसकी इजाजत नही दी तो सपा प्रत्याशी श्रीमती रचना सिंह अपने पति वीरेंद्र सिंह बंटी और प्रस्तावक

मेन रोड वार्ड नम्बर 6 निवासी रिटायर्ड दुग्ध शाला अधिकारी बजरंग प्रसाद गुप्ता के साथ चुनाव अधिकारी को नामंकन पत्र दाखिल किया। वही दूसरी तरफ भाजपा में प्रत्याशी को लेकर कई दिनों से लग रही अटकलों का शोर रविवार को थम गया।भारतीय जनता पार्टी पुनः विश्वास जताते हुए सीटिंग चैयरमैन श्रीमती गीता जायसवाल पत्नी प्रदीप जायसवाल को अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाया है। माना जा रहा है कई दशकों से नगर शाहगंज में इन्ही दोनों प्रमुख पार्टियों में रोचक राजनैतिक लड़ाई होती आरही है।और आसार इस बार भी ऐसा ही कुछ नजर आरहा है।

जी 20 सदस्यों का स्वागत करने पहुंचे शिक्षक व छात्र

प्रखर पिंडरा वाराणसी। जी 20 सम्मेलन में आये हुए विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों का रविवार को नेशनल इंटर कालेज पिंडरा के सैकड़ो छात्रों ने बाबतपुर में स्वागत किया। प्राचार्य रामाश्रय सिंह के नेतृत्व में पिंडरा से स्कूली छात्रों की साइकिल रैली सुबह 9 बजे रवाना हुई। जो पिंडरा, रमईपुर, कथौली व पुरारघुनाथपुर होते हुए बाबतपुर पहुची और वहां कतारबद्ध होकर एयरपोर्ट से निकले जी20 के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का स्वागत किया। इस दौरान इंटर कालेज के शिक्षक रहे। वही दूसरी तरफ खण्ड शिक्षा अधिकारी देवीप्रसाद दुबे के नेतृत्व में शिक्षकों ने श्रृंखलाबद्ध होकर स्वागत में खड़े रहे। इस दौरान अखिलेश सिंह, श्रवण कुमार, वीरेंद्र कुमार, संतोष मौर्य व अरविंद वर्मा समेत अनेक शिक्षक संकुल व अध्यापक रहे।

सामयिक आलेख : अतीक की हत्या या बड़ी साजिश...?

प्रभुनाथ शुक्ल

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई असरफ के आतंक का अंत इस तरीके से होगा इसकी उत्तरप्रदेश पुलिस और खुद अतीक और उसके परिवार को इसकी कल्पना नहीं रहीं होगी। लेकिन यह सच था कि पुलिस की कार्रवाई को लेकर वह सहमा था। उसके भीतर कहीं न कहीं यह भय था कि उसकी भी हत्या कि जा सकती है। झाँसी में बेटे असद के एनकाउंटर के बाद उसका डर और गहरा हो गया था। इस घटना के बाद उत्तरप्रदेश पुलिस और राज्य की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में है। सवाल उठता है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में अतीक और असरफ की हत्या कैसे हुई।

विपक्ष का सवाल उठाना लाजमी है कि फिर कानून व्यवस्था का क्या मतलब है? क्योंकि अतीक माफिया भले था लेकिन उसी प्रयागराज से पांच बार विधायक और एक बार सांसद रह चुका था। जिस तरह पुलिस अभिरक्षा में घूस कर तीन युवकों ने गोली मार कर हत्या कि वह अपने आप में बड़ा सवाल है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, अखिलेश यादव और ओवैसी ने इस हत्या की तीखी आलोचना की है। उधर सपा के महासचिव रामगोल यादव ने अतीक के बाकि बचे बेटों के हत्या की भी आशंका जतायी है। उन्होंने इसे सुनियोजित हत्या बताया है। योगी सरकार ने इस घटना की रिपोर्ट केंद्रीय गृहमंत्रालय को भी भेजा है।

पुलिस अभिरक्षा में अतीक और असरफ की हत्या की घटना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से लिया है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़े न इसके लिए राज्य पुलिस को कड़े निर्देश दिए गए हैं। प्रयागराज में जहाँ इंटरनेट बंद कर दिया गया है। वहीं पूरे प्रदेश में धारा 144 लागू कर दी गयीं है। घटना के सम्बन्ध में 17 पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। राज्य पुलिस मुख्यालय से पांच आईपीस अफसरों को कानून-व्यवस्था निगरानी और समीक्षा के लिए भेजा गया है।

अब अतीक की हत्या को मजहबी रंग भी दिया जाने लगा है। लेकिन कानून-व्यवस्था पर तो सवाल तो उठेगा ही। निश्चित रुप से अतीक और उसके गुर्गो को उसके गुनाहों की सजा मिलनी चाहिए थी। इसके लिए संवैधानिक गतिविधियां अपनायी गयीं थीं। प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट ने उमेशपाल हत्याकाण्ड में अतीक के खिलाफ सजा भी सुनायी थी। साबरती से उसे दूसरी बार पुलिस रिमांड पर प्रयागराज ले आया गया था। माफिया डॉन अबू सलेम और पाकिस्तान कनेक्शन पर भी धूमनगंज थाने में पूछताछ हो रहीं थी। लेकिन जिस तरह अतीक की हत्या को अंजाम दिया गया वह किसी बड़ी साजिश की तरफ इशारा करती है।

प्रयाराज में मेडिकल परिक्षण के दौरान अतीक और उसके भाई की हत्या को लेकर उसकी अभिरक्षा में लगी पुलिस भी सवालों को घेरे में हैं। सवाल उठता है कि रात में जिस समय अतीक पर हमलावर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा रहे थे उस दौरान पुलिस क्या कर रहीं थी। पुलिस ने काउंटर फायरिंग क्यों नहीं किया। अतीक कोई मामूली कैदी नहीं था वह पांच बार का विधायक और सांसद रह चुका था। वह बेहद हाईप्रोफाइल व्यक्ति था उसकी हत्या कोई सामान्य बात नहीं है।

जब आरोपित गोलियां बरसा रहे थे तो पुलिस को उन पर कवर फायरिंग करना था। लेकिन पुलिस ने ऐसा क्यों नहीं किया। इस मीडिया रिपोर्ट में अतीक का जो वीडियो आया है उसमें साफ दिख रहा है कि उसे एकदम सटाकर गोली मारी गयीं। आरोपित ताबड़तोड़ गोली मारते रहे और पुलिस मौन ही। इस घटना में एक पुलिस वाले और पत्रकार के घायल होने की खबर है। लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया, हमलावर आराम से हत्या कर हथियार डाल कर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करते हैं। अगर पुलिस की कवर फायरिंग में तीन में किसी भी बदमाश को गोली लगती तो पुलिस की भूमिका पर सवाल न उठते।

प्रयागराज में अतीक की हत्या किसी बड़े इशारे की ओर इंगित करती है। हत्या के आरोपित जिन तीन युवकों का नाम आ रहा है उसमें लवलेश तिवारी बांदा, अरुण मौर्या कासगंज और सनीसिंह हमीरपुर शामिल हैं। यह तीनों बड़े अपराधी हैं। लेकिन अतीक की हत्या के लिए तीनों का एक साथ आना बड़े सवाल खड़े करता है। कहीं तीनों अतीक के गैंग से ही नहीं जुड़े थे। अतीक से हुई पुलिस पूछताछ में इनका नाम भी तो नहीं आ रहा था। दूसरी बात जांच के दायरे में कोई बड़ा आदमी तो नहीं फंस रहा था। जिसने अपनी गर्दन बचाने के लिए ऐसी साजिश रची।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि तीनों एक लाज में रुके थे। लेकिन उन्हें कैसे पता था कि अतीक को इसी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए लाया जाएगा। घटना को अंजाम देने से पूर्व रेकी की भी बात आयी है। निश्चित रुप से यह एक सुनियोजित प्लानिंग थी। जिसकी वजह से आरोपित मीडियाकर्मी बनकर घटना को अंजाम दिया। इस घटना का सच सामने आना चाहिए। निश्चित रुप से इसमें कोई बड़ा नाम भी हो सकता है। लेकिन राज्य की कानून-व्यवस्था पर अतीक और असरफ की हत्या बड़ा सवाल छोड़ गयीं है। इस घटना का पदार्फांस हर स्थिति में होना चाहिए। इस तरह अतीक की हत्या क्यों की गयीं। यह सिर्फ अतीक की हत्या ही नहीं राज्य की कानून व्यवस्था और उसकी पुलिस से भी जुड़ा बड़ा सवाल है। इस घटना की जमीनी सच्चाई सामने आनी चाहिए।

स्वतंत्र लेखक और पत्रकार

प्रभुनाथ शुक्ल (स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

भगवान की चमकती आंखें

जानें क्या राज छुपा है इनमें

भारतीय सभ्यता और पंरपरा को जितना जाना जाए उतनी ही नई चीजें सामने आती हैं। कई बार तो इन्हें सुनकर, देखकर या पढ़कर हैरानी होती है। लेकिन यह उतने ही सच होते हैं। इसलिए महज इसे आश्चर्य या फिर आस्था का विषय ही माना जा सकता है। यूं तो ऐसे अचरजों का खजाना है भारत देश। लेकिन हम यहां बात कर रहे हैं राजस्थान के माउंट आबू स्थित मंदिरों के समूह की। जहां पर आपको देवता की चमकती आंखें देखकर हैरानी होगी। यही नहीं मंदिर में स्थापित देवता की पंचधातु प्रतिमा भी एक-दो नहीं बल्कि 4 हजार किलो की है। आइए जानते हैं कौन से हैं ये मंदिर और क्या-क्या है इनमें खास

पांच मंदिरों का है यह अद्भुत मंदिर

राजस्थान के माउंट आबू में स्थित पांच मंदिरों का समूह दिलवाड़ा मंदिर बेहद अद्भुत है। 11वीं और 13वीं शताब्दी के दौरान बनवाया गया यह मंदिर जैन धर्म के तीर्थंकरों को समर्पित है। दिलवाड़ा के मंदिर और मूर्तियों को देखकर किसी की भी नजरें बस टिकी की टिकी रह सकती हैं। यहां संगमरमर पर की गई नक्काशी किसी जादुगरी से कम नहीं लगती ।खुले आंगन में है श्रृंखला का यह पहला मंदिरदलिवाड़ा मंदिर की श्रृंखला का सबसे पहला मंदिर है विमलावसाहि मंदिर। इसके निर्माण के बारे में जानकारी मिलती है कि इसे गुजरात के चालुक्य राजा भीम प्रथम के मंत्री विमल साह ने बनवाया था। इसलिए मंदिर का नाम भी उन्हीं के नाम पर पड़ा। बता दें कि 1031 ई में बना यह मंदिर जैन संत आदिनाथ को समर्पित है। बता दें कि आदिनाथ की प्रतिमा की आंखें असली हीरे से बनाई गई हैं। इसके अलावा बहुमूल्य रत्नों से इनका श्रृंगार किया गया है। यह मंदिर चारों ओर से घरि हुए गलियारों के बीच खुले आंगन में स्थित है। इसी स्थान पर तीर्थंकरों की मूर्तियों को स्थापित किया गया है।

360 छोटे-छोटे तीर्थंकरों की मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध

दिलवाड़ा मंदिर की श्रृंखला का दूसरा मंदिर लूना वसाही है। भगवान नेमीनाथ को समर्पित इस मंदिर 360 छोटे-छोटे तीर्थंकरों की भी प्रतिमाएं हैं। यह इस मंदिर की खासियत भी है। इसके अलावा मंदिर का रंग मंडप यानी कि मुख्य हॉल और मंदिर की हाथीशाला में संगमरमर से बनें हाथी की सुंदरता देखते ही बनती है। यूं लगते हैं जैसे सब वास्तविक ही हों। बता दें कि इसका निर्माण 1203 में पोरवाड़ भाइयों तेजपाल और वस्तुपाल ने किया था। मंदिर में स्थापित तीर्थंकर नेमीनाथ की मूर्ति काले संगमरमर से निर्मित है। इसके अलावा मंदिर में एक काला कीर्ती स्तंभ भी है।

इसमें स्थापित है 4 हजार किलो की पंचधातु प्रतिमा

दिलवाड़ा मंदिर श्रृंखला का तीसरा मंदिर पीतलहर बेहद अद्भुत है। यह भगवान ऋषभदेव को समर्पित है। जानकारों के अनुसार, मंदिर में स्थापित ऋषभदेव की प्रतिमा में 4 हजार किलो की पंचधातु और सैकड़ों किलो सोने का प्रयोग किया गया है। इस मंदिर का निर्माण राजस्थान के भामाशाह ने करवाया था। कहा यह भी जाता है कि इस मंदिर के निर्माण में मजदूरों ने भी आर्थिक मदद की थी।

मंदिर श्रृंखला में सबसे ऊंचा है यह मंदिर

दिलवाड़ा मंदिर की श्रृंखला में चौथे स्थान पर बना श्री पार्श्वनाथ मंदिर सारे मंदिरों में सबसे ऊंचा है। इसका निर्माण 1458-59 में हुआ था। भगवान पार्श्वनाथ को समर्पित यह मंदिर तीन मंजिला बना हुआ है। इसकी बाहरी दीवारों पर बनाई गई सुंदर शिल्पाकृतियां और अन्य सजावटी शिल्पाकंन को देखकर आपको भी बरबस ही खजुराहो और कोणार्क के मंदिर याद आ जाएंगे। यह आकृतियां ग्रे बलुआ पत्थरों से उकेरी गई हैं।

अंतिम मंदिर समर्पित है भगवान महावीर को

दिलवाड़ा मंदिर की श्रृंखला का अंतिम मंदिर महावीर स्वामी मंदिर भगवान महावीर को समर्पित है। इसका निर्माण 1582 में हुआ था। यूं तो यह मंदिर अन्य मंदिरों की अपेक्षा छोटा है। लेकिन इसकी दीवारों पर की गई नक्काशी नायाब है। बताया जाता है मंदिर की ऊपरी दीवारों पर की गई खूबसूरत कलाकारी 1764 में श्रीरोही के कलाकारों ने की थी। मान्यता यह भी है कि मंदिर में संगमरमर का काम करने वाले कारीगरों को संगमरमर से एकत्रित धूल के अनुसार सोने का भुगतान किया जाता था। यही वजह थी कि वह और भी मन लगाकर बेहतरीन नक्काशी करते थे। बता दें कि दिलवाड़ा के ये मंदिर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के दिलों में बसते हैं। कहा जाता है कि एक बार जिसने भी इन मंदिरों के दर्शन किए वह बस यहीं का होकर रह गया।

घर में से तुरंत हटा दें ये वस्तुएं

वर्ना कभी सुखी नहीं रहेंगे

घर में ऐसी कई वस्तुएं होती हैं जो कि नकारात्मकता तो फैलाती ही है साथ ही हमारा दिमाग भी बदल देती है जिसके चलते अच्छे भले दिन बुरे दिन में बदल जाते हैं। आओ भारतीय वास्तुशास्त्र अनुसार जानते हैं ऐसी ही 10 नकारात्मक वस्तुओं के बारे में संक्षिप्त में।

टूटी-फूटी वस्तुएं : टूटे-फूटे बर्तन, दर्पण, इलेक्ट्रॉनिक सामान, तस्वीर, फर्नीचर, सोफा, कुर्सी और टेबल, पलंग, घड़ी, दीपक, झाड़ू, मग, कप आदि कोई सा भी सामान घर में नहीं रखना चाहिए।

नकारात्मक तस्वीरें, मूर्ति, चित्र : महाभारत युद्ध का चित्र, ताजमहल का चित्र, डूबती हुई नाव या जहाज, फव्वारे, जंगली जानवरों के चित्र, नटराज की मूर्ति और कांटेदार पौधों के चित्र घर में नहीं रखना चाहिए। देवी-देवताओं की फटी हुईं और पुरानी तस्वीरें अथवा खंडित हुईं मूर्तियों से भी आर्थिक हानि होती है अत: उन्हें किसी पवित्र नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए।

पुराने या फटे कपड़े की पोटली : अक्सर लोग घरों की अलमारी या दीवान में फटे-पुराने कपड़ों की एक पोटली रखते हैं। हालांकि कुछ लोग जो कपड़े अनुपयोगी हो गए हैं उनको कबर्ड या अलमारी के निचले हिस्से में रख छोड़ते हैं। यह नहीं रखना चाहिए।

कबाड़ : अक्सर देखा गया है कि लोग घर में अटाला या कबाड़ जमा कर रखते हैं। इसके लिए एक कबाड़खाना अलग से होना चाहिए। पुराने या टूटे हुए जूते-चप्पल आपको आगे बढ़ने से रोक देते हैं। इन्हें भी घर से निकाल दें।

पर्स या तिजोरी : पर्स फटा न हो और तिजोरी टूटी हुई न हो। पर्स या तिजोरी में धार्मिक और पवित्र वस्तुएं रखें जिनसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जिन्हें देखकर मन प्रसन्न होता है।

टूटी या खुली अलमारी : किताबें रखने या कुछ छोटा-मोटा सामान रखने वाली अलमारियों को बंद करने का दरवाजा नहीं है या उनमें कांच नहीं लगा है तो वह खुली मानी जाएगी। माना जाता है कि ऐसी अलमारी के होने से हर तरह के कार्यों में रुकावट आती है और धन भी पानी की तरह बह जाता है। टूटे फूटे फर्नीचर को बदल दें या उन्हें ठीक करवा लें।

सजावटी वस्तुएं या कलाकृतियां : कुछ लोग घर को कलात्मक लुक देने के लिए नकली या कांटेदार पौधे लगा लेते हैं। कई लोग पुरानी या फालतू चीजों से भी अपना घर सजाते हैं, जो कि गलत है। ऐसी वस्तुएं घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं।

प्लास्टिक का सामान : आजकल प्लास्टिक का प्रचलन बढ़ गया है। आटे का डब्बा, रोटी का डब्बा, चम्मच, चाय का डब्बा, पानी की बोतल, मसाले आदि के छोटे-छोटे डब्बे आदि कई सामान प्लास्टिक के आने लगे हैं। प्लास्टिक की थेलियां भी बहुत से घरों में इकट्ठी करके रखी जाती है। घर में यदि प्लास्टिक है तो यह उर्जा का कुचालक होता है। आपके घर का वातावरण बदल जाएगा और इससे आपके भीतर का उत्साह समाप्त होकर निराशा में बदल जाएगा। यह संकट को आमंत्रित करने का अच्छा साधन है। वैज्ञानिक कहते हैं कि प्लास्टिक कैंसर का भी कारण बन सकता है।

हानिकारक वस्तुएं : इसके अलावा घर में ऐसी कई हानिकारक वस्तुएं होती है जिसके घर में रखें होने से घर का वातावरण विशैला बन जाता है। यह स्थूल रूप से दिखाई नहीं देता लेकिन हवा का गुण धर्म इससे बदल जाता है। ऐसे कई वस्तुएं हैं जो हमारे आसपास रहती है जैसे यहां-वहां घर में बिखरी ढेर सारी दवाइयां, एसिड की बोतल, टाइलेट क्लिनर शोप, फिनॉयल, जहरीले रसायन, कीटनाशक, मच्छर मारने की दवा, एंटीबॉयोटिक दवा, अधिक बल्ब, एयर फ्रेशनर, अग्निशामक, नॉन स्टिक पॉट आदि। सभी तरह की हानिकारक वस्तुओं के लिए एक स्थान नियुक्त होना चाहिए और वह भी ऐसा जहां वे सुरक्षित रखी हों। ऐसी वस्तुओं के लिए अलग से लकड़ी या लोहे का एक बॉक्स बनवाएं और उसमें रखें जो किचन और बेडरूम से दूर हो।

पत्थर, नग या नगिना : कई लोग अपने घर में अनावश्यक पत्थर, नग, अंगुठी, ताबिज या अन्य इसी तरह के सामान घर में कहीं रख छोड़ते हैं। यह मालूम नहीं रहता है कि कौन-सा नग फायदा पहुंचा रहा है और कौन-सा नग नुकसान पहुंचा रहा है। इसलिए इस तरह के सामान को घर से बाहर निकाल दें। एक छोटा सा पत्थर भी आपके भाग्य को दुर्भाग्य में बदलने की क्षमता रखा है। यदि यह घर में रखा है तो इसकी उर्जा धीरे धीरे आपके घर के वातावरण को बदल कर रख देगी।

इस तरह मनुष्य को उसके मूल धर्म की ओर लाती है प्रकृति

हिंदू धर्मग्रंथों में माया के त्याग की बात बार-बार कही जाती है। माया कृत्रिम वस्तुओं, सुविधाओं और विचारों से उपजती है। माया से आशय जगत विलासिता में डूबे रहने से है। मोह, ममता, काम और क्रोध भी जग विलासिताओं से उपजते हैं। ये मनुष्य की आत्मा के लिए अनुपयोगी भी हैं, परंतु इसके बावजूद इनसे एक बार तो लगन लगानी ही पड़ती है क्योंकि इनसे जुड़ने से ही तो मनुष्य को जीवन के उत्थान एवं पतन का ज्ञान होता है। लेकिन ये आसक्तियां माया नहीं बननी चाहिए।भगवान के समय से धर्म की आग झेल रहा है भारत, केवल यही है बचने का रास्तमाया की सीमा में प्रवेश करते ही ये भ्रमजनित विकार बनने लगती हैं। आदिकाल से मनुष्य जीवन ऐसी ही आसक्तियों के चारों तरफ घूमते रहने से अनेक विकारों में परिवर्तित होता रहा है। मोह, काम और क्रोध ने मनुष्यों को अपने सकारात्मक विचारों से अलग रहने को प्रवृत्त किया। इनके कारण अभिभावकों के मतों से असहमति उपजी, समाज के नियमों के प्रति विरोध पैदा हुआ और राष्ट्र के चिरंतन तत्वों के प्रति शंका उभरी। इस प्रकार परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्तिशाली धारणा का प्रमुख स्तंभ सनातन हिंदू धर्म मतभेदों से घिर गया।अहं की तुष्टि के लिए मनुष्य जीवन के सर्वाधिक पवित्र आधार सनातन धर्म की त्रुटियां गिनाई जाने लगीं। सहस्राब्दियों से मूल धर्म के प्रति अनेक मतभेद उभरे हैं। मूल धर्म को धराशायी करने के लिए इसी धर्म के लोग अनेकानेक उप-धर्म बनाते चले गए। चूंकि धर्म जीवन का प्रमुख आधार था, इसलिए इसके मूल स्वरूप पर आक्षेप करने से मनुष्य जीवन विसंगतियों, भ्रष्टाचार, अराजकता, परस्पर जीवन-संघर्ष, द्वेष, ईर्ष्या, कलुष और सामुदायिक युद्धोन्माद से ग्रसित हो उठा। परिणामस्वरूप अनेक धर्म बन गए। एक धर्म का व्यक्ति दूसरे धर्म के व्यक्ति के प्रति सज्जन, प्रेमिल और सत्यनिष्ठ नहीं रह सका। यह अपने संप्रदाय को धर्म मानने की प्रवृत्ति का परिणाम था। यही प्रवृत्ति मजबूत होती गई। सदियां बीतती गईं लेकिन मनुष्य इस प्रवृत्ति सा पीछा नहीं छुड़ा पाया। अब भी इसका दुष्प्रभाव व्याप्त है। चाहकर भी एक मनुष्य दूसरे के प्रति सहृदयी नहीं हो पा रहा। धीरे-धीरे धार्मिक भेदों ने अनेक ऐसी प्रवृत्तियां उत्पन्न की जिनसे लोग अपने ही धर्म, परिवार, समुदाय, समाज और राष्ट्र के लिए आत्मिक-व्यक्तिगत-रहस्यवादी मतभेदों से ग्रस्त होते चले गए। आज मानव के हृदय का कलुष इतना बढ़ चुका है कि वह दूसरे व्यक्ति का तो छोड़ ही दीजिए, स्वयं के मुख के कलुषजनित हावभाव भी नहीं देख पाता है। इस परिस्थिति में अनुभव होता है कि केवल प्रकृति ही मनुष्य को उसके मूल मानव स्वरूप में ला सकती है।रावण से युद्ध के दौरान थके श्रीराम ने किया था इस मंत्र का जप, मिलती है सफलताप्रकृति के बीच एकांत में मनुष्य जब भी आकाश, चंद्रमा, सूर्योदय, सूर्यास्त, पहाड़, पठार, हरियाली, पक्षी, फूल, जुगनू, नदी, समुद्र इत्यादि पर ध्यान लगाता है तो उसके हृदय में एकत्र कलुष मिटने लगता है। वह परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व के बीच होते-रहते हुए चाहे किसी मत का समर्थन करे या इस मत के लिए उसे चाहे कितना ही भावनात्मक कष्ट झेलना पड़े, प्रकृति व इसके तत्वों की तरफ आकृष्ट होते ही उसके भीतर से मतभेद मिटना शुरू हो जाता है।

केजीएफ 3 के बाद अब रॉकी भाई ने हाथ मिलाया मलयालम डायरेक्टर से

चेन्नई। साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार यश अपनी फिल्म केजीएफ और केजीएफ चैप्टर 2 को लेकर काफी फेमस हैं। कन्नड़ एक्टर यश की दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। आपको बता दें कि केजीएफ चैप्टर 2 ठीक एक साल पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म ने विश्व भर में धमाकेदार कमाई की थी। अब रिपोर्ट्स की मानें तो यश अपने अगले प्रोजेक्ट में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ काम करते नजर आएंगे। यश की अगली फिल्म के बारे में बात करते हुए एक सूत्र ने बताया, यश और गीतू मोहनदास पिछले एक साल से एक प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा कर रहे हैं। यश उनकी लाई फिल्म की कहानी और इसके कॉन्सेप्ट से इतने इंप्रेस हुए कि उन्होंने इसे करने के लिए तुरंत अपना मन बना लिया।

हॉलीवुड मसाला

'बिग बैंग थ्योरी' के फैंस के लिए अच्छी खबर

न्यूयार्क। पॉपुलर अमेरिकन टीवी शो 'द बिग बैंग थ्योरी' एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लौट रहा है। लेकिन एक नए रूप में। दरअसल, यंग शेल्डन की सफलता के बाद निर्माता चक लॉरे 'द बिग बैंग थ्योरी' के एक नए स्पिन-ऑफ का निर्माण कर रहे हैं। यह निर्माण एचबीओ के साथ मिलकर किया जा रहा है। लॉरे ने खुलासा किया है कि वह 'बिग बैंग थ्योरी' फ्रैंचाइजी के अंदर एक और सीरीज बनाने की तैयारी की जा रही है। वार्नर ब्रदर्स द्वारा रखी गई डिस्कवरी की प्रेस मीट के दौरान 'बिग बैंग थ्योरी' के स्पिन-ऑफ की घोषणा की गई है।

लाइफ Style

नीसा आखिर क्यों भड़की?

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन और काजोल की बेटी को बहुत से लोग न्यासा कहकर पुकारते हैं। लेकिन अब खुद उन्होंने सामने आकर अपना सही नाम बताया है। एक्टर अजय देवगन और काजोल की बेटी नीसा देवगन सोशल मीडिया स्टार हैं। इंटरनेट पर फेमस सभी बॉलीवुड किड्स में शायद सबसे ज्यादा चाहने वाले नीसा के ही हैं।

मुंबई। नीसा फिलहाल इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं हैं, बावजूद इसके वो हद से ज्यादा फेमस हैं। स्टार किड को अक्सर उनके दोस्तों के साथ पार्टी करते और मजे लेते हुए देखा जाता है। नीसा बॉलीवुड के उन स्टार किड्स में से एक हैं जिनका नाम अक्सर सबकी जुबान पर रहता है। जिनके नाम को लेकर अक्सर बहुत से लोग कंफ्यूज रहते हैं। अजय देवगन और काजोल की बेटी को बहुत से लोग न्यासा कहकर पुकारते हैं। लेकिन अब खुद उन्होंने मीडिया के सामने आकर अपना सही नाम बताया है। वायरल वीडियो में वह पैपराजी से कहती हैं कि उनका नाम न्यासा नहीं बल्कि निशा है। वीडियो में निशा को करीबी दोस्त ओरहान अवात्रामणि के साथ देखा जा सकता है। वह दोनों एक रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में निशा देवगन कार में बैठ रही होती हैं। तभी सभी पैपराजी उन्हें न्यासा कहते पुकारते हैं। जिस पर वह कहती हैं, 'मेरा नाम नीसा है'। सोशल मीडिया पर नीसा देवगन का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। आपको बता दें कि बीते कुछ वक्त से निशा और ओरहान अवात्रामणि को अक्सर साथ में देखा जाता है। बीते दिनों यह दोनों राजस्थान वेकेशन एन्जॉय करते हुए नजर आए थे। राजस्थान वेकेशन की तस्वीरों को ओरहान अवात्रामणि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थीं। इन तस्वीरों में निशा देवगन और ओरहान अवात्रामणि के अलावा अन्य दोस्त भी नजर आए थे।

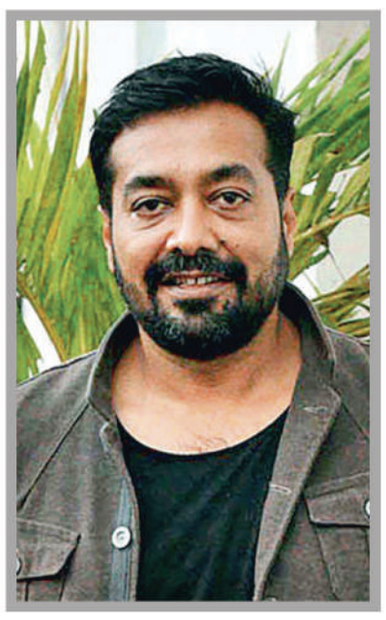

अनुराग को दुनिया ने माना कांस में जाएगी 'कैनेडी'...

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म मेकर अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी' कांस फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीन की जाएगी। यह इकलौती ऐसी फिल्म है, जिसे कांस फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया है। इसके अलावा मई में फिल्म का प्रीमियर होने वाला है। इससे पहले अनुराग ने फिल्म के फर्स्ट लुक का अनावरण किया है। 'कैनेडी' में सनी लियोनी और राहुल भट मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म के प्रमुख किरदारों का परिचय देते हुए फिल्म निर्माता ने लिखा, ₹मिलिए केनेडी और चाली ₹ सनी बेज रंग की साड़ी और सफेद श्रग में बेहद खूबसूरत लग रही हैं और अपने ओवरसाइज्ड शेड्स और वेवी हेयरडू के साथ रेट्रो वाइब्स दे रही हैं, जबकि राहुल को बंदूक से निशाना लगाते हुए कैमरे में कैद किया गया। 'कैनेडी' एक थ्रिलर ड्रामा बताई जा रही है। प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए अनुराग कश्यप ने साझा किया था, "यह एक ऐसी फिल्म और शैली है, जिसे मैं हमेशा से एक्सप्लोर करना चाहता था।

बॉलीवुड में 'राजकुमारी' बनने के लिए तैयार हैं सामंथा...

मुंबई। सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म शाकुंतलम आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में अभिनेत्री की एक्टिंग फैंस को खूब पसंद आ रही है। इस फिल्म में उनके साथ देव मोहन, मोहन बाबू और अल्लू अराह नजर आ रहे हैं। फिल्म में एक बार फिर साउथ के जाने-माने डायरेक्टर ने माइथोलॉजिकल कैरेक्टर के जरिये भव्यता को पेश करने की कोशिश की है। फिल्म के ट्रेलर की काफी चर्चा रही थी। अब खबर आ रही है कि सामंथा आयुष्मान खुराना संग एक हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाली हैं। आयुष्मान खुराना और सामंथा रुथ की इस फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान हैं। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि आयुष्मान एक वैम्पायर की भूमिका में नजर आएंगे जबकि सामंथा एक प्रिंसेज की भूमिका निभाएंगी। खबरों के अनुसार फिल्म का टाइटल वैम्पायर ऑफ विजय नगर है। यह इस साल के आखिर तक या फिर 2024 की शुरुआत में फ्लोर पर आएगी। इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक करेंगे।

कोरियन अभिनेत्री जंग चाई यूल की मौत की गुत्थी अनसुलझी

प्योंगयांग। कोरियन ड्रामा यानी 'के-ड्रामा' की स्टार अभिनेत्री जंग चाई यूल की महज 26 साल की उम्र में हुई मौत पहेली बन गई है। चाई यूल ने 11 अप्रैल को आखिरी सांस ली। अभिनेत्री की एजेंसी द्वारा साझा किए गए आधिकारिक बयान में उनकी मृत्यु के कारण का खुलासा नहीं किया गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि वह अपने घर पर मृत मिली हैं। 26 वर्षीय जुंग चाई यूल की मैनेजमेंट एजेंसी ने अपने आधिकारिक बयान में लिखा था, 'हम आपको एक दिल दहला देने वाली खबर देने के लिए आए हैं। अभिनेत्री चाई यूल हमें छोड़ कर चली गई हैं। उनका अंतिम संस्कार उनके परिवार की इच्छा के अनुसार निजी तौर पर किया जाएगा। हम आशा करते हैं कि आप मृतक के लिए प्रार्थना करेंगे ताकि चाई यूल, जो अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाती थी उनकी आत्मा को शांति मिले।

टीवी मसाला

'द कपिल शर्मा शो' होने जा रहा बंद? पीछे की वजह जानकर रह जाएंगे दंग

मुंबई। कॉमेडियन कपिल शर्मा पिछले कुछ सालों से अपने 'द कपिल शर्मा शो' से दर्शकों को गुदगुदाते आ रहे हैं। हालांकि, इस शो से जुड़ी जो नई डिटेल सामने आई है उससे कॉमेडियन के फैंस को झटका लगना लाजमी है। रिपोर्ट की मानें तो, यह शो अस्थायी रूप से बंद होने जा रहा है। 'द कपिल शर्मा शो' को लेकर जानकारी है कि यह कुछ समय के लिए बंद हो जाएगा। इसके पीछे की वजह यह है कि कपिल अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताने के लिए ब्रेक लेना चाहते हैं। वहीं, निर्माताओं को भी इस ब्रेक के दौरान शो और कुछ कलाकारों में बदलाव लाने का मौका मिल जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, द कपिल शर्मा शो से जुड़े एक सूत्र ने बताया है, 'सीजनल ब्रेक ने वास्तव में शो के लिए काम किया है जिससे हमें कंटेंट और कलाकारों के मामले में चीजों को बेहतर करने का मौका मिला है। इसके अलावा, कॉमेडी एक कठिन शैली है और एक्टर्स को एक ब्रेक की आवश्यकता होती है ताकि वह भी बोर ना हो जाएं।' मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सोर्स ने बताया है कि अभी इसकी फाइनल डेट कन्फर्म नहीं की गई है लेकिन टीम के मई में शूट पूरा करने की संभावना है। इस तरह सीजन का आखिरी एपिसोड जून में स्ट्रीम होगा।

'जुबली' के फैंस के लिए खुशखबरी! प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई सीरीज

bविक्रमादित्य मोटवानी की वेब सीरीज 'जुबली' प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। अदिति राव हैदरी, प्रसेनजीत चटर्जी, अपारशक्ति खुराना, वामिका गब्बी, सिद्धांत गुप्ता, नंदीश संधू और राम कपूर जैसे कलाकारों के अभिनय सजी यह सीरीज हमें पुराने दौर की याद दिलाती है। इसे देखने के लिए लोग उत्साहित थे। रिलीज होते इस सीरीज ने न केवल समीक्षकों की बल्कि दर्शकों की भी जमकर तारीफ लूटीं। जहां प्रीमियर पर दर्शकों को इसके सिर्फ छह ही एपिसोड देखने मिले थे, वहीं आज इसके बाकी बचे हुए पांच एपिसोड भी रिलीज हो गए हैं। 'जुबली' के फैंस के लिए अच्छी खबर आ रही है। जिन दर्शकों को सीरीज की आगे की कहानी जानने की उत्सुक्ता थी उनका इंतजार अब खत्म हो चुका है। दरअसल, अमेजन प्राइम वीडियो पर 'जुबली' के बाकी बचे हुए पांचों एपिसोड भी रिलीज हो चुके हैं। ऐसे में हुई न यह आपके लिए अच्छी खबर।

'जुबली' के बारे में बात करते हुए निर्माता और निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी ने कहा था कि, 'जुबली एक प्रेम कहानी है, जो मेरे दिल में हमेशा रही है। जब मैं फिल्मों में बतौर एक सहायक निर्देशक था, तब से मैं इस कहानी पर काम करना चाहता था। जुबली की कहानी हर इंसान के बारे में कुछ बोलती नजर आती है और यही बात वह बात थी, जिसने मुझे पहली बार में कहानी की ओर आकर्षित किया था। हमने ऑडियंस को सीरीज से जोड़ने के लिए इसके प्रत्येक पहलू पर बहुत मेहनत की है।'

आलीशान घरों के मालिक हैं साउथ इंडस्ट्री के ये बड़े कलाकार

चेन्नई। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों के दुनिया भर में लाखों की संख्या में फैंस हैं। इन कलाकारों ने अपने अभिनय,काम और बेहतरीन फिल्मों से दुनिया भर में अच्छी पहचान हासिल की है। साउथ के कलाकार न ही सिर्फ फैन फोलोइंग में आगे हैं, बल्कि कमाई के मामले में भी यह कलाकर काफी आगे हैं। साथ ही इन कलाकारों के घरों की बात की जाए तो इनके घर बॉलीवुड के सितारों से भी कई ज्यादा महंगे और आलीशान हैं।

बॉलीवुड में लोग सलमान खान और शाहरुख खान के घरों को लेकर बात करते हैं, लेकिन आज हम साउथ के इन सुपरस्टार्स के बारे में बात करेंगे जो आलीशान घरों के मालिक हैं।

अल्लू अर्जुन : अल्लू अर्जुन साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बहुत बड़े कलाकार हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। साथ ही वह कमाई के मामले में काफी आगे हैं।

एक्टर के घर को लेकर बात करें, तो उनका घर हैदराबाद जुबली हिल्स में है। यहां पर एक्टर का आलीशान बंगला है, जिसकी कीमत 100 रुपये तक बताई जाती है। आपको बता दें कि एक्टर जल्द ही फिल्म पुष्पा 2 में नजर आने वाले हैं, जिसका उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

राम चरण : राम चरण टॉलीवुड का जाना माना नाम है। वह इंडस्ट्री के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। बीते साल रिलीज हुई उनकी फिल्म आरआरआर ने वैश्विक स्तर पर खूब कमाई की है। साथ ही दुनिया भर में खूब नाम किया है, इसके अलावा साल 2023 में नाटू नाटू गाने ने अपने नाम ऑस्कर अवॉर्ड भी किया है। एक्टर की फिल्म ने कमाई के मामले में कई रिकॉर्ड तोड़े थे। आपको बता दें कि राम चरण कमाई के मामले में काफी ज्यादा आगे हैं और वह 38 करोड़ के घर के मालिक हैं।

यश : कन्नड़ फिल्मों के सुपरस्टार यश अपनी बेहतरीन फिल्म केजीएफ के लिए जाने जाते हैं। केजीएफ के दोनों ही पार्ट दर्शकों को काफी पसंद आए थे। यहां तक कि विदेशों में भी फिल्म को काफी पसंद किया गया था। आपको बता दें कि एक्टर का आलीशान घर बेंगलुरु में है, जिसकी कीमत रिपोर्ट्स के अनुसार 50 करोड़ तक है।

प्रभास : प्रभास अपनी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बॉलीवुड में भी डेब्यू कर लिया है। एक्टर के घर की बात करें तो वह एक आलीशान बंगले के मालिक हैं। जानकारी के मुताबिक एक्टर के घर की कीमत 60 करोड़ तक है।

सामंथा रुथ प्रभु : सामंथा रुथ प्रभु साउथ की बड़ी और खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक हैं। एक्ट्रेस का घर हैदराबाद में है। वह एक आलीशान बंगले की मालकिन है, जिसकी कीमत 80 से 85 करोड़ तक है। आपको बता दें कि हाल ही में एक्ट्रेस की फिल्म शाकुंतलम रिलीज हुई है। एक्ट्रेस उसके प्रमोशन में काफी वक्त से व्यस्त थीं।

टीवी से गायब रूपल त्यागी का वर्षों बाद छलका दर्द

मुंबई। टीवी की दुनिया में 'सपने सुहाने लड़कपन के' की गुंजन के किरदार ने रूपल त्यागी को घर-घर मशहूर कर दिया था, लेकिन इस सीरियल के बाद वह एकदम से गायब हो गईं। अब काफी वर्षों बाद रूपल का अपने करियर के संघर्षों को लेकर दर्द छलका है। गौरतलब है कि रूपल महज 16 साल की उम्र में अपने सपनों को पूरा करने बेंगलुरु से मुंबई आई थीं। अभिनय से पहले रूपल ने कोरियोग्राफर्स को असिस्ट किया है। यही नहीं, रूपल ने फिल्म 'चुप चुप के' और 'भूल भुलैया' जैसी फिल्मों में विद्या बालन शाहिद कपूर और करीना कपूर जैसे सितारों को कोरियोग्राफ किया है। हाल ही में, रूपल ने एक इंटरव्यू में अपना दर्द बयां किया और सक्सेस के बाद उनकी जिंदगी कैसे हमेशा के लिए बदल गई। अभिनेत्री का कहना है कि शो 'सपने सुहाने लड़कपन के' की सक्सेस के बाद उनकी जिंदगी बदल गई और उन्हें पता चला कि फेम क्या होता है? सक्सेस क्या होता है? रूपल ने यह भी कहा कि इस शो के बाद लोग उन्हें टीवी की करीना कपूर कहने लगे थे। वह पहले बस और ऑटो में सफर करती थीं।

आज पुण्यतिथि : शायर और गीतकार आरज़ू लखनवी ने फिल्मी गीतों को थिएटर शैली से मुक्त किया

फिल्मी गीतों को सरल शब्द दिए और दुनिया गुनगुनाने लगी उनके नग्मे

मुंबई। आरज़ू लखनवी वो पहले शायर-गीतकार थे जिन्होंने उर्दू को फ़ारसी और अरबी से अलग कर शायरी और फिल्मी माहौल से आसान बनाने की कोशिश की और आम लोगों की ज़बान पर चढ़ाने का काम किया। जबकि उन्हें अरबी और फ़ारसी की अच्छी समझ थी लेकिन उनके गीत-गजल फ़िल्मी रहे हों या गैर-फ़िल्मी, उन्होंने कठिन फ़ारसी शब्दों से परहेज़ किया, इसीलिए उनके अशआर सुनने वालों पर गहरा असर छोड़ जाते हैं। आरज़ू लखनवी जो सिनेमा में आने से पहले ही ख़ासे मक़बूल हो चुके थे और इसकी वजह थी – आसान उर्दू अल्फ़ाज़ के इस्तेमाल से गहरी से गहरी बात कह जाने का उनका अंदाज़।

अपने समय के बेहतरीन शायर और गीतकार सैयद अनवर हुसैन "आरज़ू" के जन्म को लेकर कई मत हैं पर ज़्यादातर जगहों पर उनके जन्म की तिथि और साल 16 फ़रवरी 1873 है। अपने पिता की तरह वो भी "जलाल लखनवी" के शागिर्द रहे, और उसी दौरान वो दूसरे शागिर्दों को भी सिखाने लगे थे। उनकी शायरी में वो कमाल था कि 18 साल की उम्र तक आते-आते उनका शुमार बड़े-बड़े शायरों में होने लगा था। और फिर जल्दी ही वो उर्दू अदब का एक जाना-माना नाम बन गए। एक वक़्त आया जब उन्हें "अल्लामा" के ख़िताब से नवाज़ा गया था। उनके नाटक का मंचन न्यू थिएटर्स के मालिक बी एन सरकार ने देखा था और वो उनके लेखन से काफ़ी प्रभावित थे तो उन्होंने आरज़ू लखनवी को न्यू थिएटर्स में स्टोरी डिपार्टमेंट का हेड बनने की पेशकश की और इस तरह आरज़ू लखनवी न्यू थिएटर्स से जुड़ गए। वहाँ काम करने के दौरान आरज़ू लखनवी ने गीत लिखने के साथ-साथ कहानी और संवाद लेखन भी किया।

1936 में आई "मंज़िल" वो पहली फ़िल्म थी जिसके डायलॉग और गीत आरज़ू लखनवी ने लिखे थे। इसके बाद मुक्ति (37) और फिर दुश्मन में उन्होंने गीत लिखे, उन गीतों ने अपने वक़्त में धूम मचा दी थी। फिर स्ट्रीट सिंगर (38), दुश्मन (39) जवानी की रीत (39), नर्तकी (40), लगन (41), डॉक्टर (41) जैसी फिल्मों के गीत भी बहुत मशहूर हुए। कुछ गाने पंकज मलिक या के. एल. सहगल के गाए गानों के कलेक्शन में मिल जाते हैं, मगर कुछ एलबम पर गीतकार के नाम में आरज़ू लखनवी की जगह मुंशी आरज़ू लिखा मिलता है।

रोटी में लिखा गीत गाया बेगम अख्तर ने

1942 में महबूब ख़ान के बुलावे पर वो मुंबई चले गए। महबूब ख़ान की फ़िल्म रोटी (42) में बहज़ाद लखनवी और सफ़दर आह के साथ आरज़ू लखनवी ने भी गीत लिखे थे। उनका लिखा एक गाना "उलझ गए नयनवा छूटे नहीं छुटाए बेगम अख़्तर की आवाज़ में इतना मशहूर हुआ था कि स्टेज परफॉरमेंस के दौरान बार-बार उनसे उस गाने की फरमाइश की जाती थी। देश की आज़ादी के बाद फ़िल्मों का रुप-रंग बदल रहा था नए-नए गीतकार सिनेमा में प्रवेश कर रहे थे। उस समय आरज़ू लखनवी ने पाकिस्तान जाने का फैसला किया। वहाँ वो रेडियो से जुड़े रहे और 16 अप्रैल 1951 में इस दुनिया से रुख़सत हो गए। फिल्मों से इतर भी उन्होंने हर तरह की शायरी की लेकिन उनकी ग़ज़लें, गीत और मर्सिया बहुत पसंद किये गए। उन्होंने हज़ारों ग़ज़लें लिखी जिनमें ज़्यादातर रोमेंटिक थीं, उनके सात दीवान मिलते हैं।

शेयर बाजार में निवेश से पहले समझें फंडामेंटल्स

बाजार में अनुशासन बहुत जरूरी है। बाजार के इतिहास देखें तो बुल मार्केट में भी अधिकांश निवेशकों में डर होता है। शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के चलते निवेशक अपनी कमाई डुबो देते हैं, वो भी तब जब मार्केट में बुलिश ट्रेंड रहा। यानी, तेजी का दौर रहा। इसलिए निवेशकों को निवेश को लेकर अनुशासन भरा रवैया रखना चाहिए। अगर लॉन्ग टर्म में कमाई करना चाहते हैं, तो निवेश का सिस्टमेटिक अप्रोच होना जरूरी है।

इस नए वित्त वर्ष में शेयर बाजार से अगर पैसा बनाना चाहते हैं, कुछ खास बातों का जरूर ध्यान रखना चाहिए। आमतौर पर शेयर बाजार में पैसा लगाने वाले यह सोचते हैं कि वो कम समय में तगड़ा मुनाफा कमा लेंगे। कई बार ऐसा होता है कि कुछ घंटे में शेयर से मोटा मुनाफा हो जाता है। इससे उलट भारी नुकसान भी उठाना पड़ जाता है। बहरहाल, यह जान लें कि इक्विटी में ट्रेडिंग उतनी आसान भी नहीं है, जितनी आम निवेशक समझते हैं। बाजार में आपको अनुशासन और धैर्य की जरूरत पड़ती है। निवेश से पहले अच्छी तरह रिसर्च कर लेनी चाहिए। शेयर बाजार में पैसा निवेश करते समय इन्वेस्टर बहुत सारी गलतियां करते हैं जिससे उन्हें नुकसान झेलना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ आसान टिप्स...

फंडामेंटल मजबूती का रखें ध्यान

शेयर बाजार में खासकर दो तरह के ट्रेडर होते हैं। एक जो फंडामेंटल पर फोकस रखते हैं और दूसरे जो अटकलों पर फैसला करते हैं। दोनों में बुनियादी फर्क स्टॉक की कीमत पर उनका नजरिया रहता है। फंडामेंटल निवेशक हमेशा से कंपनी की मजबूती पर ध्यान देता है न कि शेयर की कीमत पर। हमेशा फंडामेंटल मैथड पर निवेश की कोशिश करनी चाहिए। बाजार से पैसा बनाने का यह अच्छा तरीका है।

दूसरों को देखकर न बनाएं स्ट्रैटजी

शेयर बाजार में इक्विटी की खरीद-बिक्री को लेकर किसी खास तरह की सोच में न रहें। कई ट्रेडर्स स्टॉक खरीदने या बेचने का फैसला ज्यादातर उनके जानकारों के प्रभाव में आकर करते हैं। अगर उनके आस-पास के सभी लोग किसी खास स्टॉक में निवेश कर रहे हैं, तो एक वह ट्रेडर भी उसी स्टॉक में निवेश करता है। इस तरह की स्ट्रैटजी से बचना चाहिए। लॉन्ग टर्म में यह स्ट्रैटजी सही नहीं है। दुनिया के दिग्गज निवेशक वारेन बफेट ने जब दूसरे लालची हो जाएं तो डरने की जरूरत है, वहीं जब जब दूसरे डर रहे हो, तो आप लालची बन जाएं।

बाजार में जल्दबाजी न करें

स्टॉक मार्केट में कभी भी जल्दबाजी न करें। शेयर के दाम बढ़ने से पहले खरीदना और गिरने से पहले तुरंत बेचने का फैसला नुकसान करा सकता है। ज्यादातर निवेशक यह मानते हैं कि टाइमिंग इज टाइम इन मार्केट सही स्ट्रैटजी नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि किसी भी स्टॉक में सटीक टॉप और बॉटम का अंदाजा लगाना मुमकिन नहीं है। अगर बाजार से पैसा कमाना है, तो इस तरह की स्ट्रैटजी से बचें।

अपना सरप्लस फंड ही लगाएं

अकसर यह सुनने में आता है कि शेयरों में निवेश के चलते कोई व्यक्ति भारी कर्ज में फंस गया। अगर आप शेयर बाजार में निवेश की शुरुआत कर रहे हैं तो हमेशा सरप्लस फंड ही निवेश करें। सरप्लस फंड से मतलब कि जो आपके पास आपके खर्चों और अन्य जरूरतों को पूरा करने के बाद बचता है। अगर आपको मुनाफ होने लगता है, तो आप उस पैसे को दोबारा निवेश करेंगे. कभी भी लोन या कर्ज लेकर निवेश न करें।

भावनाओं पर काबू रखें

बाजार में हमेशा भावनाओं में बहकर फैसला नहीं करना चाहिए। अगर आपका शेयर खरीदने-बेचने को लेकर इमोशंस पर कंट्रोल नहीं है तो आप भारी नुकसान करा सकते हैं. जब बाजार में तेजी रहती है तो ट्रेडर्स ज्यादा आकर्षित होते हैं और उस चक्कर में गलत शेयरों में पैसा लगा बैठते हैं. डर और लालच, ये दो ऐसे फैक्टर हैं, जिन पर शेयर में ट्रेडिंग के दौरान कंट्रोल होना चाहिए।

लक्ष्य हासिल करने लायक रखें

शेयर बाजार में निवेश को लेकर एक वास्तविक गोल रखें। निवेशकों को हमेशा लगता है कि उन्होंने जो निवेश किया है वह बेस्ट रिटर्न देगा, लेकिन अगर आपका फाइनेंशियल गोल रियलस्टिक नहीं है तो आप परेशानी में फंस सकते हैं। बाजार में कभी भी समान रिटर्न की उम्मीद न करें।

एक साथ पूरा पैसा ना लगाएं

अधिकतर नए निवेशक अपना पूरा पैसा शेयर बाजार में डाल देते हैं ताकि वह ज्यादा से ज्यादा रिटर्न कमा सकें। यह उनकी सबसे बड़ी गलती होती है। चाहे मार्केट ऊपर हो या नीचे आपको कभी भी लंपसम पूरा पैसा इन्वेस्ट नहीं करना चाहिए बल्कि इसके बजाय एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के रूप में थोड़ा – थोड़ा करके पैसा निवेश करना चाहिए।

रिस्क को डायवर्सिफाई करें

एक ही शेयर में पूरा पैसा लगाने के बजाए अच्छा है कि आप 10 अलग-अलग शेयरों में पैसा लगाएं। इस प्रकार अगर 5 कंपनियां डूब भी जाती है तो भी आपको बची हुई 5 कंपनियां उनसे कई गुना ज्यादा रिटर्न दे जाएंगी। अपने पोर्टफोलियो का सबसे बड़ा हिस्सा आपको लार्ज कैप कंपनियों के स्टॉक्स में रखना चाहिए उसके बाद मिडकैप में और सबसे कम पैसा आपको स्मॉल कैप कंपनियों में लगाना चाहिए। इस तरह आप अपने शेयर बाजार के जोखिम को कम कर सकते हैं।

सस्ते शेयर के चक्कर में ना पड़े

जिन के पास कम पैसा होता है वह अक्सर सबसे सस्ते शेयर में ही निवेश करते हैं और ऐसे पेनी स्टॉक्स में निवेश करना ही उनकी सबसे बड़ी भूल होती है क्योंकि ऐसी कंपनियों का बिजनेस या तो पूरी तरह से चौपट हो चुका होता है या फिर कंपनी अच्छे सेल्स और प्रॉफिट नहीं दिखा पाती है जिससे शेयर प्राइस नीचे ही जाता रहता है और एक समय पर आप उसे बेच देते हैं और अपना नुकसान कर लेते हैं। इसीलिए हमेशा फंडामेंटली मजबूत कंपनियों के शेयर में पैसा लगाएं।

सीख कर निवेश करें

यह सबसे महत्वपूर्ण फंडामेंटल है। अधिकतर लोग शेयर बाजार को बिना सीखे और समझे पैसा लगाने की गलती करते हैं। यही कारण है कि इंडिया में ज्यादातर लोग शेयर बाजार में अपने पैसे का नुकसान करते हैं जबकि अगर समझदारी से निवेश किया जाए तो आप शेयर बाजार से अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। शेयर मार्केट को सीखने के लिए आपको पहले बेसिक चीजों को समझना होगा। जब आप अच्छी तरह से शेयर की फंडामेंटल और टेक्निकल रिसर्च करना सीख जाएं तब ही शेयर बाजार में पैसा निवेश करें।

स्टॉक मार्केट में

लॉस से बचने के 21 टिप्स

1. सही डिमैट अकाउंट का चुनाव करें।
2. एक ही शेयर में पूरा पैसा निवेश मत करें।
3. नुकसान से बचने के लिए स्टॉप लॉस जरूर लगाएं।
4. शेयर बाजार को बिना सीखें निवेश मत करें।
5. शेयर मार्केट के न्यूज वाले स्टॉक में फंसने से बचें।
6. आईपीओ में पैसा लगाने से पहले अच्छे से जांच कर लें।
7. पेनी स्टॉक्स वाली कंपनियों की टिप्स से दूर रहें।
8. बिजनेस की ग्रोथ पर फोकस करके नुकसान से बचें।
9. शेयर बाजार के ऑपरेटर से बचने की कोशिश करें।
10. सर्किट लगने वाले शेयरों में इन्वेस्ट करने से बचें।
11. सिर्फ शेयर का प्राइस बढ़ता हुआ देखकर मत खरीदें।
12. स्टॉक मार्केट के ट्रेंड को समझकर फॉलो करें।

13. शेयर के फंडामेंटल्स का एनालिसिस करें।
14. चार्ट पेटर्न्स देखना और टेक्निकल एनालिसिस करना सीखें।
15. दूसरे निवेशकों के पोर्टफोलियो को कॉपी मत करें।
16. शेयर बाजार में रिस्क मैनेजमेंट का ध्यान रखें।
17. ट्रेडिंग करते समय लालच और डर पर कंट्रोल करें।
18. इंट्रा डे ट्रेडिंग मार्केट को समझ कर ही करें। शॉर्ट टर्म निवेश के लालच में ना पड़ें।
19. देश-विदेश में घटने वाली आर्थिक घटनाओं पर ध्यान लगाए रखें, इसके प्रभाव में शेयर बाजार रिएक्ट करता है, इसलिए निवेश करते वक्त वैश्विक व घरेलू आर्थिक सेंटिमेंट जान लें।
20. पोर्टफोलियो में संतुलन रखें, लार्जकैप, मिडकैप व स्मॉल कैप कंपनियों का चुनाव बैलेंस के साथ करें, महंगे शेयर हमेशा मुनाफा नहीं देते हैं।
21. मित्रों की देखादेखी, या स्टॉक ब्रोकर की सलाह पर आंखमूंद कर भरोसा करने शेयर में पैसा नहीं लगाएं। निवेश नियमों को लेकर स्ट्रिक्ट रहें।

शेयर मार्केट क्यों गिरता है, जानें कारण

शेयर मार्केट क्यों गिरता है? इसका कारण है बाजार में डिमांड की अपेक्षा सप्लाई ज्यादा होना या फिर ग्लोबल बाजार में कोई नेगेटिव न्यूज के कारण स्टॉक मार्केट में गिरावट होती है। आज कल देखा जाए तो वैश्विक बाजारों में आर्थिक मंदी के चलते शेयर बाजार गिर रहा है। आप देखते होंगे कि अगर आज निफ्टी या सेंसेक्स गिरता है तो पूरा शेयर मार्केट गिरने लगता है क्योंकि निफ्टी और सेंसेक्स ही शेयर बाजार के गिरने का कारण होते हैं। सेंसेक्स और निफ्टी इंडेक्स के अलावा बैंकनिफ्टी गिरने के कारण भी शेयर बाजार गिरता है क्योंकि बैंकिंग सेक्टर का वेटेज निफ्टी इंडेक्स में अच्छा खासा है। इसीलिए बैंक निफ्टी डाउन होने पर भी शेयर बाजार नीचे गिरने लगता है।

1. **बाजार में महंगाई बढ़ना :** देश में महंगाई और शेयर बाजार में गिरावट साथ साथ चलते हैं। अतः शेयर प्राइस की ग्रोथ और महंगाई एक दूसरे के विपरीत होते हैं।
2. ग्लोबल मार्केट में नेगेटिव न्यूज आना।
3. निफ्टी या सेंसेक्स में गिरावट होने पर।
4. वैश्विक बाजार में मंदी आने पर।
5. **विदेशी निवेशकों द्वारा शेयर बेचने पर :** आपको पता होगा दो प्रकार के बड़े निवेशक होते हैं; घरेलू निवेशक (डीआईआई) और विदेशी निवेशक (एफआईआई)। इन दोनों ही निवेशको के खरीदारी और बिकवाली करने के कारण बाजार बढ़ने या गिरने लगता है। भारतीय बाजार में जब विदेशी निवेशक पैसा निकालते हैं यानी अपने शेयर बेचने हैं तो अचानक से शेयर बाजार गिरने लगता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के पास बहुत बड़ी क्वांटिटी में शेयर होते हैं मतलब करोड़ों रुपयों का कारोबार वह कुछ ही मिनटों में करते हैं इसीलिए जब वह बिकवाली करते हैं तो शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखी जाती है।
6. शेयर प्राइस का ओवरवैल्यूड होना
7. **कमोडिटी के भाव बढ़ने से :** आपने कमोडिटी मार्केट के बारे में तो जरूर सुना होगा जिसमें सोना, चांदी, पीतल, तांबा, कच्चा तेल इत्यादि कमोडिटीज की ट्रेडिंग की जाती है। अगर वैश्विक बाजार में कमोडिटीज के दाम बढ़ जाते हैं तो शेयर मार्केट गिरने लगता है क्योंकि इसका सीधा संबंध महंगाई से है। इसलिए कमोडिटीज वाले वस्तुओं के मूल्य बढ़ने से भी शेयर बाजार में गिरावट देखी जाती है।
8. क्रूड ऑयल का प्राइस बढ़ने पर।
9. राजनीतिक अस्थिरता के चलते।
10. **शेयर होल्डर्स के पैनिक सैलिंग करने से :** कई बार ऐसा होता है कि किसी बड़ी घटना के होने से पहले ही शेयर होल्डर्स पैनिक सेलिंग करने लगते हैं जिस कारण शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट देखी जाती है। आपने देखा होगा कि वैश्विक बाजार में कोई बड़ी घटना होने से पहले ही शेयर बाजार पर उसका असर दिखने लगता है चाहे वह घटना अच्छी हो या बुरी। आप देखते हैं कि जब हमारे देश में अच्छा बजट आता है तो शेयर मार्केट बढ़ने लगता है और जब बजट आम जनता के अनुकूल नहीं होता तो शेयर मार्केट गिरने लगता है।

निवेश के लिए लार्जकैप और मिडकैप रहेगा बेस्ट

फा इनेंशियल ईयर 2022-23 शेयर बाजार के लिए मुश्किल रहा, वहीं फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की शुरूआत ऐसे समय में हुई है, जब बाजार में कई चुनौतियां मौजूद हैं। हायर इंटरेस्ट रेट, जियोपॉलिटिक्ल टेंशन, बैंकिंग क्राइसिस, महंगाई जैसे फैक्टर बाजार पर दबाव बना रहे हैं। हालांकि बीते फाइनेंशियल में अच्छी खासी गिरावट के बाद अब कई सेक्टर और उनसे जुड़े शेयरों का वैल्युएशन आकर्षक हुआ है। नए फाइनेंशियल ईयर के लिए वैल्यू थीम सबसे बेहतर नजर आ रही है। निवेशकों को ऐसे सेक्टर या शेयर में निवेश करना चाहिए, जिनका वैल्युएशन आकर्षक है और आगे मजबूत ग्रोथ भी दिख रही है।

अभी किन सेक्टर का वैल्युएशन सस्ता : हायर इंटरेस्ट रेट के दौर में ग्रोथ स्टॉक्स को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। विशेष रूप से लॉन्ग टर्म में कैश फ्लो वाले स्टॉक्स को। हालांकि ऐसे बहुत से शेयर अब आकर्षक वैल्युएशन पर आ गए हैं। मौजूदा समय में बेहतर वैल्युएशन (पी/ई < 20x) वाले सेक्टर में फाइनेंशियल, ऑटोमोबाइल और यूटिलिटीज में बेहतर प्रदर्शन देखने को मिल रहा है, जबकि ग्लोबल कमोडिटीज (मेटल और ऑयल एंड गैस), हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी में गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2022-23 में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले शेयरों में एफएमसीजी सेक्टर का आईटीसी रहा है, लेकिन ओवरआल सेक्टर का प्रदर्शन असमान रहा है। निफ्टी कंपनियों में आईटीसी, एमएंडएम, ब्रिटानिया, एनटीपीसी और एचयूएल टॉप 5 परफॉर्मर रहे हैं, जबकि विप्रो, टेक महिंद्रा, डीवी लैब, हिंडाल्को और बजाज फिनसर्व टॉप लूजर्स रहे थे, वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में न्यू एज स्टॉक्स (नायका, जोमैटो, पीबी फिनटेक, देल्हीवरी) में बड़ी गिरावट देखने को मिली।

म्यूचुअल फंड में निवेश का प्लान बना रहे हैं, तो उससे पहले कुछ बेसिक व गूढ़ बातों की समझ कर लेनी चाहिए। इससे आपको अपनी जरूरत, जोखिम और लक्ष्य के मुताबिक निवेश का फैसला करने में मदद मिलेगी।

म्यूचुअल फंड में निवेश की गूढ़ बातें जान लें, आपको पैसा बनाने में होगी आसानी

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश का प्लान बना रहे हैं, तो उससे पहले कुछ बेसिक व गूढ़ बातों की समझ कर लेनी चाहिए। इससे आपको अपनी जरूरत, जोखिम और लक्ष्य के मुताबिक निवेश का फैसला करने में मदद मिलेगी। म्यूचुअल फंड में निवेश पर भी बाजार के उतार-चढ़ाव का असर होता है। इसलिए, अपनी जोखिम उठाने की क्षमता को देखते हुए निवेश का फैसला करना चाहिए। लॉन्ग टर्म में म्यूचुअल फंड में निवेश बनाए रखने पर कम्पाउंडिंग का फायदा मिलता है। जानते हैं म्यूचुअल फंड्स के कुछ बुनियादी टर्म्स के बारे में...

एसआईपी व लंपसम

म्यूचुअल फंड में निवेश दो तरीके से किया जा सकता है। एक है कि आप किसी फंड में एकमुश्त (लंपसम) पैसा लगा दें। दूसरा तरीका एसआईपी का है। एसआईपी यानी सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, इसमें रेग्युलर मंथली निवेश करना होता है। एसआईपी के जरिए 100 रुपये से भी निवेश शुरू किया जा सकता है। लॉन्ग टर्म के लिए एसआईपी में निवेश करने से कम्पाउंडिंग का फायदा मिलता है।

ओपन एंडेड या क्लोज एंडेड फंड्स

म्यूचुअल फंड में निवेश का फैसला करने से पहले इस बारे में जरूर जान लें। ओपन एंडेड फंड वो फंड होते हैं, जिनमें कभी भी निवेश कर सकते हैं और उन्हें कभी भी बेच सकते हैं, जबकि क्लोज एंडेड फंड में ऐसा नहीं है। क्लोज एंडेड फंड को केवल एएमसी से न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के दौरान खरीद

सकते हैं। साथ ही इसे मैच्योरिटी पर ही रिडीम कराया जा सकता है।

डायरेक्ट या रेगुलर प्लान

इसका मतलब समझना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इसका असर आपकी लागत पर पड़ता है। रेगुलर प्लान में डिस्ट्रीब्यूटर कमीशन शामिल होता है। ये कमीशन फंड मूल्य के 0.5 फीसदी से 1 फीसदी या इससे ज्यादा भी हो सकता है। यह रकम हर साल डिस्ट्रिब्यूटर को देनी होती है। वहीं, डायरेक्ट स्कीम्स आप सीधे कंपनी से लेते हैं, इसलिए इसमें डिस्ट्रीब्यूटर कमीशन शामिल नहीं होता है।

टैक्स लगता है या नहीं

म्यूचुअल फंड में निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी टैक्स के दायरे में आता है। शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स (एसटीसीजी) और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) निवेशक को देना पड़ता है। अलग-अलग म्यूचुअल फंड जैसे, इक्विटी और डेट पर कई तरह का टैक्स लगता है।

एनएवी क्या है

म्यूचुअल फंड्स में निवेश पर आपको एनएवी (नेट वैल्यू असेट) की समझ कर लेनी चाहिए। एनएवी दरअसल म्यूचुअल फंड यूनिट की वैल्यू होती है। इस एक फॉर्मूले के आधार पर निकाला जाता है।

रिस्क का रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड्स में इंवेस्टमेंट के समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। स्कीम के सिलेक्शन के दौरान ही ये ध्यान देना चाहिए कि जो स्कीम आप ले रहें हैं वो आपके बजट के अंदर आये।

फंड हाउस का रिकॉर्ड चेक करें

म्यूचुअल फंड की स्कीम का सिलेक्शन करने के बाद स्कीम को जारी करने वाली कंपनी की भी पूरी जानकारी लें। इसके साथ ही फंड हाउस के रिकॉर्ड की भी जांच करें। ये कितने समय से काम कर रहा है और साथ ही इस कंपनी का और इसकी स्कीमों का पूर्व में प्रदर्शन कैसा रहा है इसकी भी जानकारी लें।

परफॉर्मेंस चेक करें

फंड के पिछले परफॉर्मेंस को चेक करना जरूरी होता है। जब भी आप किसी स्कीम को सिलेक्ट करते हैं तब उसकी पिछली परफॉर्मेंस को जरूर चेक करें। फंड के परफॉर्मेंस में उतार-चढ़ाव लगा रहता है।

बिजनेस साइट

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

रायपुर। *छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के नया रायपुर स्थित कॉरपोरेट ऑफिस के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर खारा ने कहा कि कॉरपोरेट कार्यालय का उदघाटन करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ। आरआरबी के बीच अपना कॉरपोरेट कार्यालय रखने वाला पहला होना जश्न मनाने के लिए एक मील का पत्थर है। सीआरजीबी टीम को मेरी और से हार्दिक बधाई और में कामना करता हूं, कि सीआरजीबी व्यवसायिक लाभप्रदता और दक्षता मानकों के मामले में सबसे पहले और भी बहुत कुछ हासिल करे। उत्कृष्ट क्रेडिट गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए बैंक को तरलता जोखिम, एलएम जोखिम के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के चेयरमैन गोहिल द्वारा माननीय मुख्य अतिथि को सीआरजीबी द्वारा पूरे किए गए लक्ष्य एवम् उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की गई।*

हमारी आदत में होना चाहिए फाइनेंस से जुड़ी स्ट्रैटेजी बनाना

नए साल में अपने पैसों का कैसे करें सही इस्तेमाल

बिजनेस डेस्क

आम तौर पर बहुत से लोग ऐसे हैं जो अपने फाइनेंस या निवेश को लेकर समय समय पर प्लानिंग करने से चूक जाते हैं। इससे कई बार वे बाजार से मिलने वाले रिटर्न का फायदा नहीं उठा पाते, वहीं इमरजेंसी के समय रुपये पैसों को लेकर बड़ा नुकसान कर बैठते हैं। वैसे तो फाइनेंस से जुड़ी स्ट्रैटेजी बनाने के लिए किसी समय का इंतजार नहीं करना चाहिए, यह तो आपकी आदत में होनी चाहिए। लेकिन जब नया फाइनेंशियल ईयर शुरू हो चुका है और आप ऐसा करने से रह गए तो अभी प्लानिंग कर सकते हैं।

मिडकैप और स्मालकैप

बीते फाइनेंशियल ईयर की बात करें तो मिडकैप और स्मालकैप सेग्मेंट में गिरावट आई है। पिछले फाइनेंशियल ईयर में खासतौर से बीएसई स्मालकैप इंडेक्स 4.50 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुआ है। इस दौरान मिडकैप और स्मालकैप दोनों ही सेग्मेंट में कई मजूबत फंडामेंटल वाले शेयर भी डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहे हैं। ऐसे में इन दोनों स्पेस में निवेश करने का मौके बने हैं। बेहतर यह है कि इनमें म्यूचुअल फंड सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए धीरे धीरे लंबी अवधि के लिए पैसे लगाएं। इससे लंबी अवधि में आपको मोटा पैसा बनाने में मदद मिलेगी.

जितना हो सके, कम करें लोन

इंटरेस्ट रेट हाइक साइकिल के दौर में 1 साल से भी कम समय में बैंकों ने होमलोन पर ब्याज दरों में 1.5 से 2.5 फीसदी तक इजाफा कर दिया है। ज्यादातर बैंकों के होम लोन इंटरेस्ट रेट 9.50 फीसदी के आस पास पहुंच गया है। ऐसे में या तो ईएमआई बढ़ गई है या ईएमआई के जरिए पेमेंट करने के महीने बढ़ गए। इसलिए अगर न ए फा इ नें शि य ल ईयर की शुरूआत में आपके पास एक्स्ट्रा या सरप्लस फंड है तो अपने लोन को रीपेमेंट के जरिए जितना हो सके, कम करें। इससे बढ़ी ब्याज दरों का बोझ आप पर कम होगा।

अभी पैसा निवेश में ब्लॉक न करें

अपने पास कुछ इमरजेंसी फंड बाजार में उस समय निवेश के लिए रखें, जब अचानक से बड़ी गिरावट आए। बाजार में अगर बड़ी गिरावट आती है तो निवेश का अच्छा मौका बनेगा, लेकिन अभी अगर पूरा पैसा ब्लॉक कर दिया तो यह मौका हाथ से निकल जाएगा।

बॉन्ड मार्केट भी आकर्षक

हाल फिलहाल में बॉन्ड मार्केट आकर्षक हुआ है, इनके यील्ड में तेजी आई है। ऐसे में मिड ड्यूरेशन फंडों के जरिए अभी इनमें कुछ पैसा लगा सकते हैं। मिड ड्यूरेशन फंड में इस साल का रिटर्न 8 फीसदी तक पहुंच गया है।

एफडीः ऊंची ब्याज दरें लॉक करने का समय

हाल में बैंकों ने एफडी पर इंटरेस्ट रेट बढ़ाए हैं। पोस्ट आफिस की टाइम डिपॉजिट स्कीम पर भी ब्याज बढ़ गया है, लेकिन जरूरी नहीं है कि आगे भी इन स्कीम पर ब्याज दर ऊंचा या स्टेबल बना रहे। इसलिए बढ़ी ब्याज दरों का फायदा उठाने के लिए एफडी में मौजूदा दर अभी लॉक कर लें।

मेडिकल इमरजेंसी के लिए पैसा रखें

एक सबसे जरूरी बात यह है कि किसी भी मेडिकल इमरजेंसी के लिए अपने पास कुछ फंड जरूर रखें। बेहतर है कि मेडिकल इंश्योरेंस जरूर खरीदें। उसके अलावा भरी आपके पास कुछ इमरजेंसी फंड होना जरूरी है।

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	04	03	01	06	1.588
लखनऊ	05	03	02	06	0.761
गुजरात	04	03	01	06	0. 341
पंजाब	05	03	02	06	-0.109
कोलकाता	04	02	02	04	0.711
चेन्नई	04	02	02	04	0.225
बेंगलुरु	04	02	02	04	-0.316
हैदराबाद	04	02	02	04	-0.822
मुंबई	03	01	02	02	-0.879
दिल्ली	05	00	05	00	-1.488

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	रन
शिखर धवन	पंजाब	04	233
डेविड वॉर्नर	दिल्ली	05	228
विराट कोहली	बेंगलुरु	04	214
जोस बटलर	राजस्थान	04	204
डु प्लेसिस	बेंगलुरु	04	197

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	विकेट
मार्क वुड	लखनऊ	04	11
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	04	10
राशिद खान	गुजरात	04	09
रवि बिश्नोई	लखनऊ	05	08
अर्शदीप सिंह	पंजाब	05	08

चोटिल मयंक की जगह अर्पित गुलेरिया लखनऊ में शामिल

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 में के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स ने तेज गेंदबाज मयंक यादव के रिप्लेसमेंट की घोषणा कर दी है। मयंक की जगह लखनऊ की टीम में दाएं हाथ के ही तेज गेंदबाज अर्पित गुलेरिया को शामिल किया गया है। अर्पित गुलेरिया हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के रहने वाले हैं और पहली बार उन्हें आईपीएल फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में शामिल किया है।

विराट के अर्धशतक से बेंगलुरु विजयी

आईपीएलः दिल्ली की लगातार पांचवीं हार

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मैन ऑफ द मैच विराट कोहली (50) के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन की बदौलत आईपीएल में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से मात दी। यह आईपीएल के पांच मैचों में दिल्ली की पांचवीं हार है और वह अब भी अंक तालिका में खाता नहीं खोल सकी है। वहीं बेंगलुरु की चार मैचों में दूसरी जीत हैं। बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 174 रन बनए।

जवाब में दिल्ली नौ विकेट पर 151 रन ही बना सकी टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की विराट कोहली-फाफ डु प्लेसिस (22 रन) की सलामी जोड़ी पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। महिपाल लोमरोर (26 रन) ने शून्य रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी की। कोहली का विकेट गिरने के बाद लोमरोर और ग्लेन मैक्सवेल ने कुछ अच्छे शॉट खेले, लेकिन दिल्ली ने विकेट चटकाते हुए मैच में वापसी की। शुरुआती 12 ओवर में 110 रन बनाने वाली आरसीबी मध्यक्रम की असफलता के कारण अंतिम आठ ओवर में 64 रन ही जोड़ सकी। रावत ने शाहबाज अहमद के साथ सातवें विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी की, जिसमें शाहबाज ने 20 रन व रावत ने 15 रन बनाए, जिसके लिये उन्होंने 22 गेंदें खेलीं। कुलदीप यादव चार ओवर में 23 रन के बदले दो विकेट लेकर दिल्ली के सबसे सफल गेंदबाज रहे। मार्श दो विकेट जबकि ललित यादव और अक्षर पटेल को भी एक-एक विकेट मिला।

विराट कोहली ने जड़ा 47 वां अर्धशतक

- दिल्ली के खिलाफ विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का 47वां अर्धशतक जड़ा। बेंगलुरु के लिए ओपनिंग करते हुए विराट कोहली ने 34 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली। कोहली इस सीजन में अब तक चार पारियों में तीन अर्धशतक लगा चुके हैं। इससे पहले कोहली ने मुंबई के खिलाफ नाबाद 82 रन, कोलकाता के खिलाफ 21 रन और लखनऊ के खिलाफ 61 रन बनाए थे।
- विराट कोहली ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच के दौरान टी20 क्रिकेट में एक स्थल पर सर्वाधिक अर्धशतक दर्ज करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। कोहली ने आरसीबी के घरेलू मैदान पर अपना 25वां टी20 अर्धशतक जमाकर यह कीर्तिमान रचा, जबकि इससे पहले यह रिकॉर्ड नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में 24 अर्धशतक जड़ने वाले एलेक्स हेल्स के नाम था।
- बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली आईपीएल में किसी एक मैदान पर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने 2500 रन पूरे किए। उन्होंने दिल्ली के विरुद्ध 11 रन बनाते ही यह उपलब्धि अपने नाम की।

बेंगलुरु के गेंदबाजों के आगे बेबस दिखे दिल्ली के बल्लेबाज

दिल्ली ने लक्ष्य का पीछा करते हुए दो रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और मिचेल मार्श खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं यश धुल एक रन बनाकर आउट हो गए। वॉर्नर ने शुरुआती झटकों के बावजूद पावरप्ले में आक्रामक रुख अपनाना चाहा लेकिन वह 13 गेंद पर 19 रन बनाकर वह पवेलियन लौट गये। अभिषेक पोरेल (पांच) के आउट होने के बाद अक्षर (21 रन) और मनीष पांडे ने कुछ देर तक संघर्ष किया। दिल्ली ऑलआउट होने की कगार पर थी, हालांकि नोर्त्जे और कुलदीप 15 गेंदें खेलकर टीम की इज्जत बचाई। मनीष पांडे ने 38 गेंद पर 50 रन अर्धशतकीय पारी खेली। बेंगलुरु के लिए कुमार वैशाख ने चार ओवर में सिर्फ 20 रन देकर तीन विकेट झटके। इसके अलावा मोहम्मद सिराज ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए। वेन पर्नेल, वानिंदु हसरंगा और हर्षल पटेल को एक-एक विकेट मिला।

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4/6
कोहली कै. धुल बो. ललित	50	34	6/1
डु प्लेसिस कै. अमन बो. मार्श	22	16	3/1
महिपाल कै. पोरेल बो. मार्श	26	18	0/2
मैक्सवेल कै. वॉर्नर बो. कुलदीप	24	14	0/3
हर्षल कै. पोरेल बो. अक्षर	06	04	0/1
शाहबाज अहमद नाबाद	20	12	3/0
कार्तिक कै. ललित बो. कुलदीप	00	01	0/0
अनुज रावत नाबाद	15	22	1/0

अतिरिक्तः 11, कुलः 20 ओवर में छह विकेट पर 174 रन **विकेट पतनः** 1-42, 2-89, 3-117, 4-132, 5-132, 6-132 **गेंदबाजीः** अनरिख नोर्त्जे 4-0-31-0, अक्षर पटेल 3-0-25-1 मुस्तफिजुर रहमान 3-0-41-0, मिचेल मार्श 2-0-18-2, ललित यादव 4-0-29-1, कुलदीप यादव 4-1-23-2,

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
वॉर्नर कै. कोहली बो. वैशाक	19	13	4/0
पृथ्वी शॉ रन आउट	00	02	0/0
मिचेल मार्श कै. कोहली बो. पर्नेल	00	04	0/0
यश धुल पगबाधा सिराज	01	04	0/0
मनीष पांडे पगबाधा हसरंगा	50	38	5/1
पोरेल कै. पर्नेल बो. हर्षल	05	08	0/0
अक्षर कै. सिराज बो. वैशाक	21	14	3/0
अमन खान कै. कोहली बो. सिराज	18	10	1/1
ललित बो. मैक्सवेल बो. वैशाक	04	07	0/0
अनरिख नोर्त्जे नाबाद	23	14	4/0
कुलदीप यादव नाबाद	07	06	1/0

अतिरिक्तः 3, कुलः 20 ओवर मे नौ विकेट पर 151 रन **विकेट पतनः** 1-1, 2-1, 3-2, 4-30, 5-53, 6-80, 7-98, 8-110, 9-128 **गेंदबाजीः** मोहम्मद सिराज 4-0-23-2, वेन पर्नेल 4-0-28-1, विजयकुमार वैशाक 4-0-20-3, शहबाज अहमद 1-0-11-0, वानिंदु हसरंगा 3-0-37-1, हर्षल पटेल 4-0-32-1,

विजय कुमार वैशाक ने डेब्यू मैच में झटके तीन विकेट

26 वर्षीय तेज गेंदबाज विजय कुमार वैशाक ने बेंगलुरु के लिए डेब्यू करते हुए चार ओवर में सिर्फ 20 रन देकर तीन विकेट झटके। विजय ने वॉर्नर, अक्षर और ललित को अपना शिकार बनाया।

सिकंदर व शाहरुख ने दिलाई पंजाब को जीत

लखनऊ को दो विकेट से हराया, सैम करन ने झटके तीन विकेट

लखनऊ। कप्तान सैम करन (31/3) की चतुर गेंदबाजी के बाद सिकंदर रजा (41 गेंद, 57 रन) के शानदार अर्धशतक और शाहरुख खान (10 गेंद, 23 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स कोआईपीए) के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को दो विकेट से मात दी। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 159 रन बनाए। पंजाब ने आठ विकेट खोकर अखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए रजा ने पंजाब के लिए 41 गेंद पर 57 रन बनए, हालांकि 18वें ओवर में उनके आउट होने के बाद भी पंजाब जीत से 21 रन दूर थी। युवा बल्लेबाज शाहरुख ने अपनी टीम को लक्ष्य तक ले जाने का जिम्मा लिया। उन्होंने अपनी 23 रन की महत्वपूर्ण पारी में 10 गेंद पर एक चौका और दो छक्के जड़े। पंजाब को आखिरी ओवर में सात रन चाहिए थे और शाहरुख ने शुरुआती दो गेंदों पर दो-दो रन भागने के बाद तीसरी गेंद पर चौका जड़कर पंजाब की विजय पताका लहराया। शाहरुख के अलावा मैथ्यू शार्ट ने 34 रन और हरप्रीत सिंह ने 22 रन का योगदान दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ के लिए कप्तान केएल राहुल (74 रन) ने काइल मेयर्स (29 रन) के साथ 53 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इसके बाद कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। क्रुणाल पंड्या (18 रन), निकोलस पूरन (शून्य) और मार्कस स्टोइनिस (15) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। दूसरे छोरे से किसी का साथ नहीं मिलने के बाद भी केएल राहुल ने 14वें ओवर में 40 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। आखिरी ओवर में करन ने मेयर्स की जगह इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आए कृष्णप्पा गौतम (एक रन) और पदार्पण कर रहे युद्धवीर सिंह (शून्य) को लगातार गेंदों पर चलता कर लखनऊ की पारी को 160 रन के अंदर रोक दिया। कंधे में चोट के कारण टीम से बाहर शिखर धवन की जगह टीम की अगुआई कर रहे सैम करन ने चार ओवर में 31 रन देकर तीन विकेट लिए। उनके अलावा कागिसो रबाडा को दो जबकि अर्शदीप सिंह, हरप्रीत बराड़ और सिकंदर रजा ने एक-एक विकेट चटकाये।

सबसे तेज 4,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने केएल राहुल

लखनऊ के कप्तान केएल राहुल आईपीएल में सबसे तेज 4,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पजांब के खिलाफ अर्धशतकीय पारी के दौरान यह उपलब्धि अपने नाम की। राहुल ने अपने करियर की 105वीं पारी में 4,000 रनों का आंकड़ा पार किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम पर दर्ज था। जिन्होंने 112 पारियों में 4,000 रन पूरे किए थे। राहुल का आईपीएल में यह पहला अर्धशतक है। इससके पहले उन्होंने दिल्ली के खिलाफ आठ रन , चेन्नई के खिलाफ 20, हैदराबाद के खिलाफ 35 और बेंगलुरु के खिलाफ 18 रनों की पारी खेली थी।

भोपाल संभाग ने नर्मदापुरम को हराया

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत स्थानीय भोपाल रातीबड़ फैथ मैदान पर ए.डब्ल्यू कनमाड़िकर ट्रॉफी अंडर13 बायज इंटर डिवीजन दो दिवसीय मैच नर्मदापुरम संभाग व भोपाल संभाग के बीच खेला गया।

दूसरे दिन नर्मदापुरम संभाग के 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी में अपने शुक्रवार के स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 140 रनों से आगे खेलते हुए आरव मसीह ने कप्तानी पारी खेलते हुए शानदार 79 रनों की पारी खेली, नवनीत सोनी 48 रन, अंश यादव 42 रन, अक्षत सिंह 14 रन, नैतिक जैन 13 रन, एवं आर्यवीर मेघवानी ने 11 रनों का योगदान दिया। नर्मदापुरम संभाग से गेंदबाजी में नमन मीना ने बेहतरीन गेंदबाजी से सात विकेट लिए। दक्ष चौरे 02 विकेट एवं विनय मेघवानी ने 01 विकेट प्राप्त किया। इस तरह भोपाल संभाग ने 51 रनों की बढ़त प्राप्त की। नर्मदापुरम संभाग ने अपनी दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए दिन का खेल खत्म होने तक 41 ओवरों में 05 विकेट के नुकसान पर 99 रन बना लिये थे। भोपाल संभाग ने नर्मदापुरम संभाग को पहली पारी में बढ़त के आधार पर हराया। इस अवसर पर एमपीसीए पर्यवेक्षक नरेन्द्र बख्तरिया, चयनकर्ता नितिन कु लकर्णी और बीडीसीए सचिव रजत मोहन वर्मा, सहसचिव शांति कुमार जैन उपस्थित थे।

वीएस क्रिकेट अकादमी की शानदार जीत

भोपाल। एमएस क्रिकेट अकादमी जबलपुर और वीएस क्रिकेट अकादमी भोपाल के बीच विवेकानंद खेल मैदान गौतम नगर में तीन मैचों के सीरीज का दूसरा मैच शनिवार को खेला गया। एमएस क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 236 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल की वीएस क्रिकेट अकादमी की टीम 45 ओवर में 241 बना कर मैच जीत गया। वीएस अकादमी की ओर से वार्तान सिंह कान्हा ने 10 ओवर में 30 रन देकर सात विकेट लिए। जबलपुर की ओर से अमित शर्मा ने 42 रन और सूरज पटेल ने 28 रन का योगदान दिया। वीएस की ओर से अरब यादव ने 63 रन यशोधन ने 30 रन और वार्तान सिंह ने नाबाद 41 रन बनाए। वार्तान सिंह के दोहरे प्रदर्शन के लिए मेन ऑफद मैच दिया गया।

बास्केटबॉल में भेल ने जीता खिताब

भोपाल। एलएनसीटी कॉलेज रायसेन रोड में खेलीं जा रही 6वीं इंजीनियर ओलंपिक खेल प्रतियोगिता में बास्केटबॉल महिला वर्ग के मुकाबले में भेल ने आरसीसी को 30-22 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। कबड्डी महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में सरोजनी नायडू कालेज ने एलएनसीटी को 21-17 हराया। टेनिस बॉल क्रिकेट के शुरुआती मुकाबले में सिस्टेक गांधीनगर ने एसआईआईटी को 9 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित आठ ओवरों में एसआईआईटी ने 9 विकेट खोकर 53 रन बनाए। जवाब में सिस्टर गांधीनगर ने एक विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। सिक्स ए साइड पुरुष फुटबाल मुकाबले में बीएसएफ ने नारी नेवरिस्क को 4-0 से हराया, एलएनसीटी ने बायटीवी को 1-0 से हराया। डीडीएफसी ने सिगनेचर को 30 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। गली क्रिकेट में सुपर चार्जर्स ने बीसीए को 14 रनों से हराया। बी किंग्स को आईटी ने एक रन से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

पंकज, नैन्सी और रिदम राष्ट्रीय चयन ट्रायल जीते

भोपाल। पंकज मुखेजा ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल निशानेबाजी में यहां पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन का खिताब अपने नाम किया जबकि नैन्सी और रिदम सांगवान की हरियाणा की निशानेबाज जोड़ी क्रमशः महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में शीर्ष पर रही। इक्कीस साल के पंकज ने कड़े मुकाबले में पेरिस ओलंपिक कोटा विजेता स्वप्निल कुसाले को 16-12 से मात दी। क्वॉलीफिकेशन में स्थानीय खिलाड़ी और भारत के शीर्ष निशानेबाज (50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन) ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर 591 अंक के साथ शीर्ष पर थे। वह रैंकिंग दौर में हालांकि स्वर्ण पदक मुकाबले के लिए जगह बनाने से चूक गये। रैंकिंग दौर में उन्होंने 407.4 अंक हासिल किये जबकि स्वप्निल 408 अंक साथ दूसरे स्थान पर थे। पंकज 413.7 अंक के साथ शीर्ष पर रहे। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में नैन्सी ने ग्रुप ए राष्ट्रीय चयन ट्रायल के तीसरे दिन पश्चिम बंगाल की मेहुली घोष को 16-10 से हराया। मेहुली क्वॉलीफिकेशन दौर में 42 खिलाड़ियों में 633.8 अंक के साथ शीर्ष पर थी लेकिन फाइनल में नैन्सी उन पर भारी पड़ी। रिदम सांगवान ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 25 मीटर पिस्टल के पदक मैच में 32 सटीक निशाने लगाये। उत्तर प्रदेश की नेहा 31 निशाने के साथ दूसरे और तेलंगाना की ईशा सिंह 21 निशाने के साथ तीसरे पायदान पर रहीं।

बुमराह ने सर्जरी के बाद शुरू किया रिहैब

मुंबई । भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड में सफलतापूर्वक कमर की सर्जरी करवाने के बाद बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने शनिवार को बताया कि बुमराह को दर्द से राहत मिल गयी है और विशेषज्ञ डॉक्टर ने उन्हें छह हफ्ते तक रिहैब प्रक्रिया से गुजरने की सलाह दी है। शाह ने कहा, जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड में अपनी पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी की, जो सफल रही और वह दर्द से मुक्त है।

मोंटेकार्लो के फाइनल में पहुंचे आंद्रे रुबलेव

मोनाको। रूस के आंद्रे रूबलेव ने मोंटे-कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के एकल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। रूबलेव के तीन अमेरिका के टेलर फिट्ज को तीन सेटो तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 5-7, 6-1, 6-3 से मात दी। इससे पहले बारिश ने खिलाड़ियों को दो घंटे तक इंतजार करने पर मजबूर कर दिया। बारिश के समय रुबलेव 3-2 से आगे थे। मैच शुरु होने के बाद फ्रिट्ज ने फिर से वापसी के लिए संघर्ष शुरू किया, लेनिक पांचवीं वरीयता प्राप्त रुबलेव ने फिर उन्हें पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की। फ्रिट्ज ने रुबलेव के खिलाफ पिछले चार मैचों में जीत हासिल की थी। 25 वर्षीय रुबलेव फाइनल में होल्गर रून और जननिक सिनर के बीच सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेंगे। आंद्रे रूबलेव ने जर्मन क्वॉर्टर फाइनल में क्वॉलीफायर जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-1, 7-6 से हराया था। वहीं फ्रिट्ज ने दो बार के चैम्पियन स्टेफानोस सितसिपास को 6 -2, 6 -4 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाईथी जीत के बाद रुबलेव ने यह वास्तव में कठिन था, खासकर टेलर के खिलाफ। मैं पिछले तीन बार से उनके खिलाफ हार रहो था। उनके खिलाफ खेलना मानसिक रूप से कठिन था क्योंकि मैं सोच रहा था कि क्या मेरे पास एक मौका होगा।

रवि कुमार व दीपक पूनिया ने की मेंटल ट्रेनर प्रेरक वक्ता की मांग

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक और एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए टोक्यो ओलंपिक में रजत जीतने पहलवान रवि कुमार और पांचवें स्थान पर रहने वाले दीपक पूनिया ने बतौर मेंटल ट्रेनर एक प्रेरक वक्ता को मांगा है। दोनों पहलवानों ने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत साई के समक्ष यह मांग रखी। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के सामने कभी भी इस तरह का मामला सामने नहीं आया, जब एक प्रेरक वक्त का अनुबंध बतौर मेंटल ट्रेनर ओलंपिक की तैयारियों के लिए मांगा गया हो।

हर यात्री को तलाशने चाहिए

दिल्ली का पुराना नाम इंद्रप्रस्थ है और इंद्रप्रस्थ का महत्व प्राचीन काल से ही काफी महत्वपूर्ण रहा हैं। मुगल काम में दिल्ली में मुगलों ने राज किया। बड़े-बड़े किलों का निर्माण करवाया। दिल्ली की खूबसूरती और इसकी भौगोलिक स्थिति ने बड़े-बड़े साम्राज्य को अपनी ओर आकर्षिक किया। आज दिल्ली भले ही लोगों से भर गयी है लेकिन दिल्ली की वास्तविक खूबसूरती इससे कोई नहीं छीन सकता। दिल्ली में इतने शानदार स्थल है घूमने के लिए जहां जाकर आप ये भूल जाएंगे की आप भीड़-भाड़ वाली दिल्ली में हैं।

लाल किलाः दिल्ली में सबसे प्रतिष्ठित स्थलों में से एक लाल किला है। लाल किला को 17वीं शताब्दी में मुगल सम्राट शाहजहाँ द्वारा बनाया गया था। यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है जो हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है। किले की शानदार वास्तुकला, जटिल नक्काशी, और आश्चर्यजनक बगीचे इसे दिल्ली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक जरूरी गंतव्य बनाते हैं।

पुराना किलाः मध्य दिल्ली में स्थित पुराना किला भारत के सबसे पुराने और प्राचीन किलों में से एक है। हालांकि, मूल संरचना की नींव की सही समय अवधि रिसर्च करने वालों के पास नहीं है लेकिन किताबों में मिली जानकारी के अनुसार इसे दूसरे मुगल सम्राट हुमायूं और सुर सम्राट शेर शाह सूरी के शासनकाल में फिर से बनाया गया था। किले की पुरानी खुदाई तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य काल के निशानों की ओर इशारा करती है।

हुमायुं का मकबराः यह आश्चर्यजनक मकबरा 16वीं शताब्दी में बनाया गया था और यह मुगल सम्राट हुमायूं का विश्राम (कबर) स्थल है। हुमायुं का मकबरा मुगल वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति है और इसे ताजमहल का अग्रदूत माना जाता है। दिल्ली के इतिहास और संस्कृति में रुचि रखने वाले इस जगह को देखने के लिए जा सकते हैं। मकबरा और उसके आस-पास के बगीचे बेहद खूबसूरत हैं।

लोटस टेंपलः यह अनोखा मंदिर कमल के फूल के आकार का है और दिल्ली के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक बहाई उपासना स्थल है और सभी धर्मों के लोगों के लिए खुला है। मंदिर की आश्चर्यजनक वास्तुकला और शांतिपूर्ण परिवेश इसे विश्राम और ध्यान करने के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं।

हारिस रऊफ ने पाकिस्तान को दिलाई जीत

पहले टी-20 में न्यूजीलैंड को 88 रन से हराया

लाहौर। मैन ऑफ द मैच हारिस रऊफ (4 विकेट और 11 रन) के दोहरे प्रदर्शन की मदद से पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को पहले टी-20 मैच में 88 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। पाकिस्तान की टीम ने कप्तान बाबर के सौवें टी-20 में पहले बल्लेबाजी करते हुए 182 रन पर ढेर हो गई। जबाव में न्यूजीलैंड भी 94 रन पर ऑलआउट हो गई।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (आठ रन) और कप्तान बाबर आजम (नौ रन)जल्द ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद फखर जमान और सईद अयूब ने पाक टीम को संभालते हुए 79 रन की साझेदारी की। फखर जमान ने 34 गेंद में 47 रन और सईद अयूब ने 28 गेंद में 47 रन की पारी खेली। अंतिम ओवरों में ईमद वसीम 13 गेंद पर 16 रन, फहीम अशरफ 16 गेंद पर 22 रन और हारिस रऊफ पांच गेंद पर 11 रन ने पाक को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने टुकड़ों में हैट्रिक ली। उन्होंने अपने तीसरे ओवर की आखिरी दो गेंदों पर शादाब खान और इफ्तिखार अहमद को आउट किया। वहीं अगले ओवर की पहली गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी को डीप में डेरिल मिशेल के हाथों लपकवाया। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने तीन विकेट लिए। इसके अलावा ऐडम मिल्ने और लिस्टर को दो-दो विकेट मिले। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। ओपनर चाड बोवेस 01 रन और विल यंग 02 रन बनाकर डैरिल मिचेल 11 और कप्तान टॉम लाथम 20 रन पर आउट हो गए। न्यूजीलैंड के 56 रन पर चार विकेट गिरने के बाद मार्क चैपमैन ने कुछ शॉट्स खेले और जेम्स नीशम ने भी दो चौके और एक छक्का लगाया। लेकिन यह दोनों ज्यादा देर नहीं टिक सके। नीशम 8 गेंदों में 15 और चैपमैन 27 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए। 88 रनों पर न्यूजीलैंड के छह विकेट थे, लेकिन इसके बाद सिर्फ छह रनों के भीतर मेहमान टीम ने अपने बाकी पांच विकेट गंवा दिए और पूरी टीम महज 94 रनों पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने 3.3 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट चटकाए। इसके अलावा इमाद वसीम ने दो विकेट लिए। वहीं शाहीन अफरीदी, ज़मान खान, फहीम अशरफ और शादाब खान को एक-एक विकेट मिला।

सीएपीएफ कांस्टेबल परीक्षा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में होगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में स्थानीय युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने गृह मंत्रालय ने सीएपीएफ के लिए हिंदी, अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में कांस्टेबल परीक्षा आयोजित करने को मंजूरी दी है। प्रश्नपत्र असमिया, बांग्ला, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, ओडिया, उर्दू, पंजाबी, मणिपुरी और कोंकणी सहित 13 क्षेत्रीय भाषाओं में सेट किया जाएगा। इस निर्णय के परिणामस्वरूप लाखों उम्मीदवार मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में परीक्षा में भाग लेंगे और चयन के लिए उनकी संभावनाओं में सुधार होगा। हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा 01 जनवरी 2024 से आयोजित की जाएगी।

मेट्रो में महिला का यौन उत्पीड़न करने वाला धराया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर चार अप्रैल को लिफ्ट के अंदर एक महिला का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 26 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी राजेश कुमार के रूप में हुई है, जो एक निजी अस्पताल में हाउसकीपिंग स्टाफ के रूप में कार्यरत है। पुलिस के मुताबिक, राजेश ने दक्षिणी दिल्ली के जसोला मेट्रो स्टेशन पर एक लिफ्ट में पीड़िता को गलत तरीके से छुआ और अपने गुप्तांगों को खोल दिया। यह घटना सुरक्षा कैमरे के फुटेज में कैद हो गई और स्थानीय खुफिया ने आरोपियों की पहचान करने और उनका पता लगाने में मदद की।

फ्रांस में अनियंत्रित कार भीड़ में घुसी, सात घायल

पेरिस, (एजेंसी)। फ्रांस के बोर्डो शहर में एक कार के भीड़ में घुस जाने से सात लोग घायल हो गये। यह घटना शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार लगभग 23:00 बजे रुई दू प्रोफेसर डारगेट पर हुई। रेडियो ने पुलिस का हवाला देते हुए बताया कि घटना के बाद कार चालक और तीन यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया, जिसके कारण यह दुर्घटना घटी। दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनकी स्थिति पहले से बेहतर बताई जाती है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। गौरतलब है कि ऐसी घटना पूर्व में शहर में हुई लेकिन स्थानीय पुलिस इस तरह की घटना को रोकन में नाकामयाब रही।

श्रद्धालुओं को हेलीकाप्टर से अयोध्या दर्शन सेवा बंद

अयोध्या, (एजेंसी)। अयोध्या में चैत्र रामनवमी मेले से श्रद्धालुओं को रामनगरी के पावन दर्शन के लिये शुरू की गई हेलीकाप्टर सेवा को पर्यटकों की कम संख्या के कारण बंद कर दिया गया है। उप्र राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड एवं हेरीटेज एविएशन के मैनेजर रविकांत ने आज यहां यूनीवार्ता को बताया कि श्रीराम की नगरी अयोध्या में चैत्र रामनवमी मेले से श्रद्धालुओं को चल रहे मंदिर निर्माण का हेलीकाप्टर से दर्शन कराया जा रहा था, जो अब बंद हो गया है। उन्होंने बताया कि रामनगरी का हवाई दर्शन का यह ट्रायल 15 दिन के लिये शुरू किया गया था, लेकिन 11 दिन में ही रोक दिया गया। अब पर्यटन विभाग योजना की समीक्षा कर रहा है, जिसके बाद हवाई दर्शन योजना को शुरू करने को लेकर पर्यटन विभाग निर्णय लेगा।

ले.ज. करणबीर सिंह बराड़ ने संभाली कमान

चेन्नई, (एजेंसी)। लेफ्टिनेंट जनरल करणबीर सिंह बराड़ ने शनिवार को दक्षिण भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) का पदभार संभाल लिया। जनरल बराड़ ने औपचारिक रूप से युद्ध स्मारक पर सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। पिछले जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल ए अरुण, जिन्होंने जनवरी 2022 से सेवा की है, चीफ ऑफ स्टाफ साउथ वेस्टर्न कमांड, जयपुर के रूप में शामिल हो रहे हैं। जनरल बराड़ ने अभी तक के अपने कार्यकाल में उत्तर पूर्व, जम्मू -कश्मीर, रेगिस्तान और मैदानों सहित देश के लगभग सभी मश्किल स्थानों पर काम किया है।

आज का इतिहास

- **1853:** भारत में पहली रेल बम्बई (अब मुम्बई) से ठाणे के बीच चली।
- **1889:** अपने बेहतरीन अभिनय से दुनिया को हंसाने वाले चार्ली चैपलिन का जन्म।
- **1919:** अमृतसर में हुए जालियांवाला बाग हत्याकांड में मरने वालों श्रद्धांजलि देने के लिए महात्मा गांधी ने प्रार्थना सभा और उपवास की घोषणा की।
- **1945:** सोवियत पनडुब्बी के कारण जर्मन शरणार्थी पोत डूब गया, जिससे 7000 लोग मारे गए।
- **1976:** आठ वर्ष तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और 13 वर्षों तक लेबर पार्टी के नेता रहे हैरल्ड विल्सन ने त्यागपत्र दिया।
- **1988:** उत्तरी इराक के कुर्द आबादी वाले शहर हलबजा पर हुए गैस हमले में हजारों की मौत हो गई थी जबकि बहुत से लोग इसके प्रभाव से बीमार हो गए।

फिर गुलजार हुआ बैंकॉक का जोड फेयर नाइट मार्केट

बैंकॉक अपनी असली नाइटलाइफ के लिए दुनिया भर में मशहूर है। यहां सूरज ढलते ही शहर जीवंत हो उठता है। यहां के बाजारों में सामानों की जो विविधता मिलेगी वो दुनिया में कहीं भी नहीं है। तस्वीर में जो बाजार आपको नजर आ रहा है वह है जोड फेयर रत्चाडा ट्रेन नाइट मार्केट। यह पहले बंद था अब इसे फिर खोला गया है। स्थान रत्चाडा से बदलकर रामा 9 मेट्रो स्टेशन के पास कर दिया गया है। जोड फेयर एक विशाल खाद्य बाजार है जिसमें दुनियाभर के व्यंजन परोसने वाले 600 से अधिक स्टॉल हैं। बैंकॉक में सबसे नया और प्रतिष्ठित नाइट मार्केट जोड फेयर ट्रेन नाइट मार्केट बैंकॉक के सबसे बड़े नाइट मार्केट में से एक है। यहां अगर आप आते हैं तो स्थानीय थाई भोजन जैसे पैड थाई और सोम तुम को चखना न भूलें।

मुझे टिकट न दिया जाना भाजपा को पड़ेगा भारी

शेट्टार बोले, 20-25 सीटें होंगी कम

बेंगलुरु/हुबली ■ एजेंसी

भाजपा के कद्दावर नेता बीएस येदियुरप्पा का हवाला देते हुए पार्टी के असंतुष्ट नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने शनिवार को कहा कि अगर उन्हें टिकट नहीं मिलता है तो उत्तर कर्नाटक में कम से कम 20 से 25 निर्वाचन क्षेत्रों में इसका तत्काल प्रभाव पड़ेगा।

श्री शेट्टार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने भी कहा है कि अगर शेट्टार को टिकट नहीं मिलता है, तो इसका कई जगहों पर असर पड़ेगा। उत्तरी कर्नाटक के कई निर्वाचन क्षेत्रों में कम से कम 20 से 25 निर्वाचन क्षेत्र इसका तत्काल प्रभाव होगा। श्री शेट्टार ने कहा कि इसका असर पूरे कर्नाटक में होगा, लेकिन तत्काल प्रभाव 20 से 25 निर्वाचन क्षेत्रों में देखा जाएगा। श्री शेट्टार हुबली-धारवाड़ सेंट्रल से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि वह आगामी चुनावों के लिए पार्टी नेतृत्व द्वारा अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने के लिए इंतजार करेंगे। वादे के मुताबिक अगर पार्टी नेतृत्व ने शाम से पहले उनके पक्ष में टिकट की घोषणा नहीं की, तो वह अपने समर्थकों की इच्छा के अनुसार आगे की रणनीति तय करेंगे।

कांग्रेस ने जारी की 43 प्रत्याशियों की तीसरी सूची

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 43 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार, कोलार विधानसभा क्षेत्र से कोथुर जी मंजूनाथ उसके उम्मीदवार होंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया इस विधानसभा चुनाव में वरुणा के साथ इस क्षेत्र से भी चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। उनका नाम वरुणा विधानसभा क्षेत्र से घोषित हो चुका है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को छोड़कर शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी को अथानी विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है।

गृह मंत्री अमित शाह एक दिनी दौरे पर भरतपुर पहुंचे, बोले

तुष्टिकरण में राजस्थान की गहलोत सरकार टॉप पर है

सचिन पायलट का नंबर कभी नहीं आएगा

भरतपुर,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर भरतपुर पहुंचे। उन्होंने बूथ अध्यक्ष संकल्प महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस से लेकर गहलोत सरकार पर निशाना साधा। शाह ने पायलट पर भी कटाक्ष किया है।

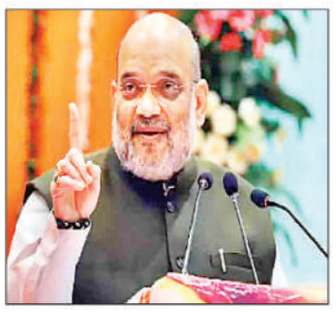

अमित शाह का गहलोत पर निशानाभरतपुर। राजस्थान में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने कमर कस ली है। कार्यकर्ताओं को चुनावी जीत का मंत्र देने के लिए एक दिवसीय भरतपुर दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस से लेकर राजस्थान की गहलोत सरकार पर निशाना साधा। शाह ने भरतपुर में बूथ अध्यक्ष संकल्प महासम्मेलन को संबोधित करने के दौरान गहलोत सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया। साथ ही सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच जारी खींचतान पर भी कटाक्ष किया।अमित शाह ने कहा कि राजस्थान की जनता ने कांग्रेस को सत्ता दे दी। लेकिन इस सत्ते के लिए अशोक गहलोत और सचिन पायलट लड़ रहे हैं। गहलोत कुर्सी से उतरना नहीं चाहते तो पायलट कुर्सी पर बैठना चाहते हैं।

वंशवाद से लेकर पेपर लीक का मुद्दा उठाया

भरतपुर दौरे के दौरान अमित शाह ने राजस्थान की गहलोत सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। शाह ने आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत सरकार ने वंशवाद बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने राजस्थान में तुष्टिकरण की राजनीति की है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये तुष्टीकरण में टॉप मार्क करने वाली सरकार है। राज्य के छबड़ा, भिलवाड़ा, करौली, चित्तौड़गढ़, मालपुरा, जयपुर में सुनियोजित दंगे होते हैं, लेकिन कोई कड़े कदम सरकार नहीं उठाती है। साथ ही शाह ने राजस्थान में पेपर लीक का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि दो दर्जन पेपर लीक हो चुके हैं।

250 प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों का ऑर्डर जल्द

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत रॉकेट फोर्स बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारतीय रक्षा बल 7,500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों की दो और यूनिट का ऑर्डर देने को तैयार है। उत्तरी सीमाओं के खतरे से निपटने को लेकर इसे बड़ी छलांग माना जा रहा है। पिछले साल दिसंबर में रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना के लिए इन मिसाइलों की एक यूनिट को मंजूरी दी थी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि डिफेंस फोर्स के लिए प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों की दो और यूनिट मंजूर की जा रही हैं। इससे तीनों ही बलों को मजबूती मिलेगी। रॉकेट फोर्स बनने की दिशा में उठाया गया यह बड़ा कदम है।

रॉकेट फोर्स बनने की ओर भारत

बेमिसाल ताकत से कांपेंगे दुश्मन: सूत्रों की मानें तो ग्राउंड फोर्स के लिए इन मिसाइलों की खरीद का प्रस्ताव अंतिम चरण में है। इसे जल्द ही मंजूरी मिल सकती है। प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलें 150 से 500 किलोमीटर की दूरी तक टारगेट को भेदने में सक्षम हैं। इंटरसेप्ट मिसाइलों के जरिए इन्हें दुश्मन के लिए इंटरसेप्ट करना बेहद मुश्किल है। सूत्रों ने बताया कि इन मिसाइलों के टारगेट रेंज को और कुछ सौ किलोमीटर तक बढ़ाने पर भी काम चल रहा है। ऐसा हुआ तो सुरक्षा बलों को और मजबूत क्षमता मिल सकेगी। मालूम हो कि चीन और पाकिस्तान दोनों के पास बैलिस्टिक मिसाइलें हैं जो सामरिक भूमिकाओं के लिए अधिक हैं। रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन की ओर से बनाई गई मिसाइल को और डेवलप किया जा रहा है।

विशु पर्व पर केरल के मंदिरों में उमड़ी भीड़

सबरीमाला, (एजेंसी)। केरल में विशु उत्सव, मलयालम नव वर्ष पर विश्व प्रसिद्ध भगवान अयप्पा सहित सभी मंदिरों में विशुक्कनी के देखने और पूजा अर्चना करने के लिए शनिवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा रही हैं। इस दिन पहाड़ी मंदिर में नेय्याभिषेकम, कालभाभिषेकम और पदिपूजा जैसे अनुष्ठान किए जाते हैं।

विशु, मलयालम नव वर्ष की शुरुआत होती है, यह दुनियाभर में मलयाली लोगों द्वारा पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर शनिवार को सुबह से ही लाखों लोग केरल के प्रमुख मंदिरों में पूजा-अर्चना करने और 'विशुक्कनी' देखने के लिए आ रहे है।

शुभ 'विशुक्कनी' को देखने के लिए लोग तड़के उठ जाते हैं अनुष्ठान में मौसमी फल, चावल, नारियल, कटहल, सब्जियां, फूल, सोना, सिक्के, कपड़े, सुनहरा ककड़ी और कोन्ना जैसी शुभ वस्तुओं की व्यवस्था होती है।

राजमार्ग से आय — देश में सबसे ज्यादा 104 टोल राजस्थान में ,हालांकि कलेक्शन में उप्र आगे

फास्टैग से टोल कलेक्शन 58 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल कलेक्शन के लिए फास्टैग सिस्टम लागू होने के बाद टोल बूथ से कमाई 58 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। 2017-18 में कुल टोल कलेक्शन 21,948 करोड़ रुपए था। तब 16 प्रतिशत वाहनों में ही फास्टैग था। 2021-22 में 96 प्रतिशत वाहनों में फास्टैग लगने के बाद यह बढ़कर 34,778 करोड़ रुपए हो गया। 2022-23 में यह और बढ़कर 50,855 करोड़ रुपए हो गया।

देश में सबसे ज्यादा 104 टोल राजस्थान में हैं। हालांकि, कलेक्शन में उप्र आगे है। 2022 में यहां 90 बूथ से 3,949 करोड़ रुपए कलेक्शन हुआ। राजस्थान में यह राशि 3,491 करोड़ रुपए रही।

पहले टोल बूथ पर एक गाड़ी को औसत 8 मिनट लगते थे। फास्टैग के बाद समय

घटकर 47 सेकेंड रह गया है। अब सरकार ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) सिस्टम लागू करने जा रही है। इसमें वेटिंग टाइम शून्य रह जाएगा। यानी गाड़ी को बूथ पर रुकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। केंद्रीय सड़क यातायात और राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक, दिल्ली-मेरठ रूट पर एएनपीआर का पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। जीपीएस आधारित टोल सिस्टम पर भी विचार जारी है। अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के पदाधिकारी विजय कालरा कहते हैं कि सभी ट्रांसपोर्टर नए सिस्टम के लिए तैयार हैं।

क्या होता है फास्टैग?

फास्टैग एक प्रकार का टैग या स्टिकर होता है। यह वाहन की विंडस्क्रीन पर लगा हुआ होता है। फास्टैग रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन या आरएफआईडी तकनीक पर काम करता है। इस तकनीक के जरिए टोल प्लाजा पर लगे कैमरे स्टिकर के बार-कोड को स्कैन कर लेते हैं और टोल फीस अपने आप फास्टैग के वॉलेट से कट जाती है। फास्टैग के इस्तेमाल से वाहन चालक को टोल टैक्स के भुगतान के लिए रूकना नहीं पड़ता है। टोल प्लाजा पर लगने वाले समय में कमी और यात्रा को सुगम बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है।

अब टोल कलेक्शन तीन गुना करने का लक्ष्य

सड़क यातायात और राजमार्ग मंत्रालय का कहना है कि एएनपीआर सिस्टम के बाद सालाना टोल कलेक्शन बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। 2022 में उसे टोल के जरिए 50 हजार करोड़ मिले थे। यानी एक ही साल में कलेक्शन तीन गुना हो जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के देश भर में 865 टोल प्लाजा हैं। राजस्थान में 104 टोल हैं। उप्र में 90, मप्र में 66, आंध्रप्रदेश में 65, महाराष्ट्र में 64, तमिलनाडु में 54 टोल हैं।

पथ संचलन में लाठी रखने गाना गाने की अनुमति नहीं

चेन्नई, (एजेंसी) तमिलनाडु पुलिस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को रविवार को पथ संचलन निकालने की उच्चतम न्यायालय से अनुमति देने के कुछ दिनों बाद शनिवार को कहा कि इस दौरान संघ कार्यकर्ताओं को लाठी ले जाने, किसी भी व्यक्ति, जाति या धर्म का गीत गाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

तमिलनाडु में 45 आज स्थानों पर निकाला जाएगा पथ संचलन

पुलिस ने शीर्ष अदालत के आदेश के आधार पर आरएसएस को रविवार को राज्य भर में 45 स्थानों पर अपना पथ संचलन निकालने की अनुमति दे दी। राज्य के पुलिस महानिदेशक सी. सिलेंद्र बाबू ने सभी शहरों एवं जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भेजे पत्र में उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा है कि मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा 22 सितंबर, 2022 के आदेश में जुलूस निकालने की अनुमति देने वाली 12 शर्तें अनुपालन कर रहे हैं। अन्य शर्तों सहित देश की संप्रभुता और अखंडता को परेशान करने वाले किसी भी कार्य में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना किसी बाधा के जुलूस का संचालन करते समय, आयोजकों को पुलिस और नागरिक निकायों के परामर्श से लोगों के लिए पीने के पानी, प्राथमिक चिकित्सा , एम्बुलेंस, मोबाइल शौचालय, सीसीटीवी कैमरे और अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था करनी होगी।

नगर निकाय सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत डीएम व पुलिस अधीक्षक ने चुनार व अहरौरा में संवेदनशील मतदेय स्थलों का किया निरीक्षण

प्रखर मिजार्पुर। नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने प्राथमिक विद्यालय दरगाह शरीफ में बनाए गए संवेदनशील बूथ 22, 23 व 28

पोलिंग पार्टियो के रवानगी स्थल का भी किया निरीक्षण

तथा संस्कृत महाविद्यालय चुनार में बनाए गए बूथ संख्या 03, 08, 09 तथा कंपोजिट विद्यालय टेकौर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। संवेदनशील बूथों का निरीक्षण करने के पश्चात डिग्री कालेज चुनार में बनाए गए स्ट्रांग रूम एवं मतगणना कक्ष सहित वहीं से पोलिंग पार्टियो के रवानगी स्थल एवं पार्किंग एंव पेयजल व्यवस्था आदि के बारे में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी चुनार नवनीत सेहारा व उप जिलाधिकारी मड़िहान अश्वनी कुमार सिंह को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि शांतिपूर्ण निष्पक्ष चुनाव को सम्पन्न हमारी प्राथमिकता है इसमें गड़बड़ी करने वालों या चुनाव में प्रलोभन देने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने तहसील सभागार में चुनार व अहरौरा के अधिकारियों, सफाई नायकों व थानाध्यक्षों तथा चैकीदारों/ग्राम प्रहरी के साथ बैठक की गयी। जिलाधिकारी ने ग्राउंड लेवल पर काम करने वाले सफाईनायकों व चैकीदारों को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराते हुए कहा कि ग्राम स्तरीय कर्मचारी प्रशासन के अभिन्न अंग है, यदि गड़बड़ी की आशंका की जानकारी हो तो तत्काल अधिकारियों को जानकारी दें। अधिकारियों को निर्देशित किया कि उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी बैठक करें और बताएं कि चुनाव में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों का पालन कराने के साथ किसी प्रकार का भेदभाव किसी के साथ नहीं होना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोई भी प्रत्याशी किसी को प्रलोभन देने की कोशिश करे तो उसके विरुद्ध कार्रवाई करें। चिन्हित लोगों को पाबंद करें और रेड कार्ड जारी करें। मतदान कराने वाली पार्टियों और सुरक्षा बलों के लिए होने वाली व्यवस्थाओं और शस्त्रों को जमा कराने का निर्देश दिया। नामांकन के बाद संवेदनशीलता के मानक की पुनः समीक्षा करने को कहा। इसके पहले अधिकारियों ने दरगाह शरीफ प्राथमिक विद्यालय में बाउंड्री न होने की दशा में वहां बांस बल्ली से बैरीकेडिंग कराने को कहा। इस अवसर पर तहसीलदार नुपुर सिंह, नायब तहसीलदार अरुण कुमार यादव, संजय सिंह, अधिशा चुनार राजपति बैस, कोतवाल त्रिवेणी लाल सेन, अहरौरा एसओ कुमुद शेखर सिंह उपस्थित रहें। तत्श्चात जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक नगर पालिका अहरौरा में पहुंचकर संवदेशनशील बूथ नगर पालिका इण्टर कालेज अहरौरा के प्रत्येक मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया। तत्श्चात निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण व पारदर्शी चुनाव कराने हेतु सभी व्यवस्थाओं को समय रहते सुनिश्चित करने का निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को दिया।

संक्षिप्त खबरें

कोलऊंद गांव के प्रधान ने घर पर दिया रोजा इफ्तार पार्टी, शामिल हुए रोजेदार

प्रखर मिजार्पुर। नरायनपुर विकासखंड के ग्राम सभा कोलउंद युवा ग्राम प्रधान जीशान खान ने माहे रमजान के पाक महीने 23 वे रोजे को अपने आवास पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। जिसमें ग्रामसभा समेत जनपद व अन्य जगहों से आम नागरिक समेत इष्ट मित्र व प्रबुद्ध जन सम्मिलित हुए इफ्तार के बाद सभी ने मिलकर नमाज अदा की मुल्क की तरक्की व अमनो अमान के लिए विशेष रूप से दुवा खानी का आयोजन किया गया। नमाज के बाद सभी के लिए विशेष व्यंजनों के साथ दावते आम रखी गई थी जिसमें सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उपस्थित रहने वालों में परवेज अहमद जोखू सदस्य हज कमेटी, एडवोकेट अकरम महामंत्री अधिवक्ता संघ जनपद चंदौली, मेराज प्रधान,सैफ सिद्दीकी प्रधान, डॉक्टर राशिद अंसारी प्रधान तौकीर खान समेत अन्य सम्मानित जन उपस्थित रहे।

43 युवाओं ने किया रक्तदान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अभ्युदय सेवा समिति फूलपुर द्वारा जनहित में रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को फूलपुर स्थित अनमोल पाली क्लीनिक में हुआ। जिसमें क्षेत्र 43 युवाओं ने उत्साह पूर्वक ब्लड डोनेशन कैम्प में प्रतिभाग किया। सुबह 10 बजे दोपहर 2 बजे तक चले कैम्प के दौरान दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल पांडेयपुर की टीम के देखरेख में जांच के बाद रक्त दान की प्रक्रिया हुई। इस दौरान डॉ रंगनाथ दुबे, डॉ रमेश राय, डॉ संगीता दुबे, दिलीप दुबे, प्रियंका गिरी, राम प्रकाश यादव, कमलेश गुप्ता, अनुपम सिंह, राजकुमार गुप्ता, अभिषेक, विशाल, अजय सेठ समेत समिति के समस्त सदस्य रहे।

प्रांतीय सम्मेलन में उठा प्रशासन द्वारा गोंड़ समाज के उपेक्षा का मुद्दा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अखिल भारतीय गोंड़ महासभा का प्रांतीय सम्मेलन रविवार को कथौली स्थित एक लान में हुई। जिसमें गोंड़ समाज के समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा करने के साथ नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री व गोंड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्यासजी गोंड़ की अध्यक्षता में हुए प्रांतीय सम्मेलन में वाराणसी समेत अनेक जिलों में उनके हक और अधिकार के प्रति शासन व प्रशासन द्वारा संवेदनशील न होने पर इसे प्रदेश सरकार के सामने उठाने की बात कही। सम्मेलन के दौरान शासन के आदेश के बावजूद भी गोंड़ समाज को अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र न बनाये जाने और उनको आवास, राशन कार्ड समेत अनेक सरकारी योजनाओं से वंचित करने पर वक्ताओं ने विचार रखे और समाधान के लिए सड़क पर उतरने की बात कही। वही सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा वाराणसी के ही एडवोकेट श्रीनाथ गोंड़ को प्रदेश अध्यक्ष तथा डॉ विनोद भाष्कर को प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया। अध्यक्षता त्रिवेणी खरवार, व संचालन डॉ विजय गोंड़ तथा धन्यवाद जिलाध्यक्ष लोलारक गोंड़ ने दिया। इस दौरान समाज के लोगो ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की। सम्मेलन को निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष जनार्दन गोंड़, जगदीश गोंड़, रामउजागिर, कमलेश, रामप्यारे, राजेश, लोलारक, शोभनाथ, धनंजय समेत गोंड़ समाज के सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

सुकन्या केयर की तरफ से बालिकाओं को दी गई जानकारी

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के पं०मदन मोहन मालवीय इ०का०सिखड़ी में महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित संस्था सुकन्या केयर के वैनर तले महिलाओं के लिए विशेष रूप से जागरुकता अभियान चलाकर बच्चेदानी के कैंसर बचाव एवं रोकथाम के अलावा माहवारी से संबंधित जानकारी दी गई। संस्था से जुड़ी महिला कर्मचारियों ने सुकन्या केयर एनायन पैड के अनगिनत फायदे गिनाते हुए बताया कि लिकोरिया को ठीक करने, मासिक धर्म को नियमित करने, बैक्टीरिया वृद्धि को नियंत्रित करने,कटना, खुजली, एवं गंध से मुक्ति दिलाने में अच्छा खासा मददगार है। संस्था की महिला कर्मचारियों ने जागरूकता अभियान के तहत महिलाओं का आह्वान करते हुए कहा कि एक आंकड़ा के अनुसार केवल भारत में ही 40लाख से ज्यादा प्लास्टिक रैपर युक्त सेनेटरी पैड का इस्तेमाल महिलाओं द्वारा किया जारहा है। और इतना ही मात्रा में यह प्लास्टिक नाले नदियों तथा खेतों खलिहानों में जाकर पर्यावरण को हानि पहुंचा रहे हैं। अतः सुकन्या केयर पर्यावरण और महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महिलाओं द्वारा प्लास्टिक के बदले कागज के रैपर में सेनेटरी पैड का निर्माण कर रोजगार के साथ साथ सस्ते दर पर सेनेटरी पैड घर घर पहुंचाने में सफलता हासिल किया है। इसलिए सुकन्या केयर से जुड़ कर 200 रुपये से लेकर कर हजार रुपए तक महिलाएं प्रतिदिन कमाई कर रही हैं। जो स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिला कर्मचारियों में मुख्य रूप से सुनीता यादव विंदु यादव गुड़िया पुष्पा आदि शामिल रहीं। इस मौके पर विद्यालय के ऊंची कक्षाओं की बालिकाएं भारी तादात में उपस्थित रहीं।

प्रजापति समाज की प्रतिभाओं के सम्मान से समाज को मिलेगी मजबूती: सुरेंद्र कुमार प्रजापति

सम्मान समारोह आयोजित करेगी प्रजापति महासभा

प्रखर जौनपुर। प्रजापति महासभा जौनपुर के तत्वाधान में 16 अप्रैल को महासचिव राज बहादुर प्रजापति के वाजिदपुर दक्षिणी स्थित निजी आवास पर प्रजापति प्रतिभा सम्मान समारोह की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मिस यू पी क्वीन खुशबू प्रजापति,मेधावियों,पीएचडी डिग्री धारकों, प्रजापति संस्कृति गुप्ता प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग, डॉ स्वाति प्रजापति एमबीबीएस, बार एसोसिएशन में विजयी घोषित पदाधिकारियों को सम्मानित करने और आवश्यक तैयारियों को लेकर व्यापक चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया।विशेष रुप से यूपी बोर्ड की परीक्षा में 80 फीसदी रिजल्ट पाने वाले तथा सीबीएसई बोर्ड में 90 फीसदी रिजल्ट वाले सफल विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए मोबाइल नंबर 9721416669 जारी किया गया। यह पंजीकरण 20 अप्रैल तक हर हाल में पूर्ण कराने के लिए अपेक्षा की गई है। सम्मान समारोह में केवल प्रजापति समाज से जुड़े लोग ही रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।यह जानकारी अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार प्रजापति ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी है।

उन्होंने बताया कि इस सम्मान समारोह के आयोजन से प्रजापति समाज के लोग अपने जीवन में निरंतर प्रगति एवं ऊंचाई की बुलंदियों को छूने की तरफ प्रेरित एवं अग्रसर होंगे। उन्होंने कहा कि इसका एक सकारात्मक संदेश अपने समाज के लोगों में जाएगा। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान संगठन का मुख्य उद्देश्य है ।बैठक में मुख्य रूप से हीरालाल प्रजापति आजाद प्रांतीय प्रमुख महासचिव मुख्य संरक्षक, अरुण कुमार प्रजापति संरक्षक,उपाध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार प्रजापति,शिव शंकर प्रजापति मंत्री (प्रजापति पैलेस), उपाध्यक्ष डॉ योगेंद्र कुमार प्रजापति, विनोद कुमार प्रजापति उपाध्यक्ष, प्रजापति राजेश वर्मा मंत्री, जिया लाल प्रजापति प्रचार मंत्री, अरविंद प्रजापति संयुक्त मंत्री आदि उपस्थित रहे।

माँ फाउंडेशन द्वारा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

नई दिल्ली। महिला सशक्तिकरण के लिए काम करने वाली जानी-मानी संस्था माँ फाउंडेशन ने दिल्ली स्तिथ होटल ताज पैलेस में लीजेंड स्टार अवाड्र्स का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शनिवार,15 अप्रैल आयोजित किया गया था और इसमें कई विशिष्ट अतिथियों और पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया था। मां फाउंडेशन की संस्थापक ऋचा वशिष्ठ जी ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों और पुरस्कार विजेताओं का स्वागत किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर जी, बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय, प्रतिभा भौमिक जी, केंद्रीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, और डॉ अंजलि कराड, एक प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ। द लीजेंड स्टार अवाड्र्स का उद्देश्य 51 पुरस्कार विजेताओं के काम को पहचानना और सम्मानित करना है जिन्होंने अपने संबंधित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में अधिकांश महिला समाज सेविका और उद्यमी थीं जो लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सहायक रही हैं। यह आयोजन एक शानदार सफलता थी, जिसमें

प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक ट्रॉफी और मान्यता का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। पुरस्कार विजेताओं ने उनके प्रयासों को पहचानने और उन्हें अपने काम को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच देने के लिए मां फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बोलते हुए, ऋचा वशिष्ठ जी ने कहा, "माँ फाउंडेशन हमेशा महिलाओं को सशक्त बनाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। लीजेंड स्टार अवाड्र्स उन महिला समाजसेवियों और उद्यमियों के योगदान को पहचानने और सम्मानित करने का एक प्रयास है, जिन्होंने महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। उनके संबंधित क्षेत्रों में। मुख्य अतिथियों में से एक केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर जी ने मां फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की और कहा, "सरकार महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मां फाउंडेशन जैसे संगठनों को इस संबंध में आगे बढ़ते देखना खुशी की बात है और महिला नेताओं और उद्यमियों के प्रयासों को पहचानना।" केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिभा भौमिक जी ने मातृत्व के प्रति अपनी हार्दिक भावना व्यक्त की और अपने शब्दों से संस्था को आशीर्वाद दिया। लीजेंड स्टार अवाड्र्स में मुख्य अतिथि में से एक डॉ. अंजलि कराड जी पत्नी श्री भागवत खराड जी (वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री) ने मातृत्व के महत्व और माताओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने भाषण में, उन्होंने कहा, "एक माँ का जन्म उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि एक बच्चे का जन्म। मातृत्व एक पवित्र यात्रा है जिसके लिए अत्यधिक शक्ति, लचीलापन और समर्पण की आवश्यकता होती है। माताओं को सशक्त बनाना और उन्हें समर्थन प्रदान करना आवश्यक है। उन्हें अपने परिवार और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने की जरूरत है।" डॉ. कराड के शब्द श्रोताओं के साथ प्रतिध्वनित हुए, क्योंकि कई पुरस्कार विजेता माताएँ थीं जिन्होंने देखभाल करने वालों के रूप में अपनी भूमिकाओं को संतुलित करते हुए अपने समुदायों में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। द लेजेंड स्टार अवाड्र्स ने समाज में माताओं द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका और उन्हें हर संभव तरीके से समर्थन और सशक्त बनाने की आवश्यकता की याद दिलाई। महिला नेत्री और उद्यमियों के काम को सम्मानित करने और पहचानने के लिए मां फाउंडेशन द्वारा द लेजेंड स्टार अवाड्र्स एक शानदार पहल थी। यह आयोजन एक शानदार सफलता थी और कई और महिलाओं को पुरस्कार विजेताओं के नक्शेकदम पर चलने और महिला सशक्तिकरण के लिए योगदान करने के लिए प्रेरित करेगी।

ईद पर्व व अलविदा के नमाज को लेकर बुलाई गई पीस कमेटी की बैठक

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानी थाना परिसर पर ईद पर्व एवं अलविदा की नमाज सकुशल संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन की तरफ से पीस कमेटी की बैठक आहूत की गई। बैठक में मुख्य रूप से उप जिलाधिकारी चुनार नवनीत सेहरा, क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन मड़िहान अनिल कुमार पांडेय,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अहरौरा राम दुलार यादव, मौजूद रहे उपजिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि शांति पूर्वक सौहार्द तरीके से त्यौहार मनाया जाए त्योहारों में अगर किसी भी व्यक्ति द्वारा गड़बड़ी की जाती है तो ऐसे व्यक्ति के साथ कानूनी कार्रवाई करने में किसी भी तरह की कोताही नहीं की जायेगी, समाज में गड़बड़ी करने वाले ऐसे व्यक्ति के साथ कानून की जितनी भी धाराएं शांति भंग की बनती है उसे लगाने में किसी भी तरह की कोई कोताही नहीं की जाएगी। बैठक में आए हुए संभ्रांत जनों को

क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन मड़िहान ने संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में कहीं भी कोई समस्या हो तो तत्काल स्थानीय पुलिस प्रशासन को अवगत कराएं पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह को त्योहारों पर विशेष इंतजाम करने का आश्वासन दिया गया है, उपनिरीक्षक गण नगर चौकी प्रभारी इंद्रजीत यादव, इमलिया चट्टी चौकी चौकी प्रभारी दिलीप गुप्ता, सदानंद यादव, अरुण यादव, मोदी यादव, इजहार खान,एजाज खान, सुबास चंद्र यादव, समेत बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी के सदर शाकिर खान बबलू , सांसद प्रतिनिधि सिद्धार्थ सिंह मिक्की, राम विजय यादव, राजन प्रजापति,सेक्रेटरी हनीफ अंसारी ग्राम प्रधान सतनरायण बिंद, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि खुटहां इम्तियाज अंसारी, प्रधान शिवकुमार बिंद, प्रधान लक्कड़ भारती, रशीद खान, मंजूर अली अंसारी, अब्दुल वहाब उर्फ कल्लू, हिमांशु उर्फ शिबू केसरी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

शांति एवं कानून व्यवस्था को बनाये रखने हेतु पुलिस अधिकारीगण द्वारा भारी संख्या में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त

प्रखर मिजार्पुर। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में जनपदीय पुलिस बल के अधिकारीगण द्वारा अपने क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल के साथ पैदल गश्त/क्षेत्र भ्रमण करते वाहन चेकिंग की जा रही है । पैदल गश्त/क्षेत्र भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारीगण द्वारा जनपद के संवेदनशील मौहल्लो व मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में

आमजन से जनसंवाद स्थापित कर जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था अक्षुण्ण बनाये रखने तथा भाईचारे का कायम रखने की अपील भी की जा रही है। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर-श्रीकान्त प्रजापति द्वारा अपर जिलाधिकारी-शिवप्रताप शुक्ला व क्षेत्राधिकारी नगर-परमानन्द कुशवाहा के साथ नगर क्षेत्र में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन-ओ.पी.सिंह द्वारा उप-जिलाधिकारी-भरतलाल व क्षेत्राधिकारी लालगंज-दीक्षान्त राज सहित सम्बन्धित प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्षगण मय भारी संख्या में पुलिस/पीएसी बल के साथ पैदल गश्त/क्षेत्र भ्रमण किया जा रहा है, इस दौरान दुकानदारों व राहगीरों सहित आम जनमानस से संवाद स्थापित कर सुरक्षा का एहसास कराया गया । इसी क्रम में जनपद के सभी थाना क्षेत्र में सम्बन्धित प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्षगण के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल द्वारा क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं